MPHIN.RNI.NO. 62005/94

प्रजादेश

वर्ष -32 अंक 101 | भोपाल, बुधवार 13 मई 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य 1.50 रुपये

नीट यूजी 2026 पेपर लीक की जांच करेगी सीबीआई

नीट यूजी परीक्षा हुई रद्द, सड़कों पर उतरी NSUI, केंद्र सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली। नीट यूजी पेपर लीक और गड़बड़ी के आरोपों के बाद एनटीए ने बड़ा फैसला लिया है। अब परीक्षा दोबारा कराई जाएगी और छात्रों से कोई अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। इस मामले में जांच भी जारी है और छात्रों को सिर्फ आधिकारिक सूचना पर भरोसा करने की सलाह दी गई है। भारत की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा हृश्वश्वञ्ज त 2026 को रद्द कर दिया गया है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि 'अनुमानित प्रश्नपत्र' लीक होने के आरोप सामने आए हैं। 3 मई को हुई परीक्षा की ईमानदारी पर सवाल उठे, जिसके बाद सरकार ने मामले की जांच के लिए ष्टक्चढ्ढ को जिम्मेदारी दी है। एनटीए अब इस परीक्षा को दोबारा आयोजित करेगा और छात्रों से किसी तरह का अतिरिक्त शुल्क नहीं लिया जाएगा। साथ ही पंजीकृत उम्मीदवारों की जानकारी और परीक्षा केंद्र पहले की तरह ही मान्य रहेंगे। इस पूरे मामले में सरकार ने जांच के आदेश भी दिए हैं, जबकि छात्रों को आधिकारिक सूचना का पालन करने की सलाह दी गई है। हृञ्ज ने क्या कहा?

नीट की नई तारीखों की जल्द होगी घोषणा

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी यह प्रवेश परीक्षा कराती है।	3 मई को 22.79 लाख बच्चों ने परीक्षा दी थी।	15 दिन पहले गेस पेपर सामने आया।	आरोप- गेस पेपर के 410 में से 120 सवाल परीक्षा में पूछे गए।

मई 2026 सत्र के सभी पंजीकृत उम्मीदवारों की जानकारी, पात्रता और परीक्षा केंद्र दोबारा परीक्षा में मान्य रहेंगे।

नए पंजीकरण की जरूरत नहीं होगी और छात्रों से कोई अतिरिक्त परीक्षा शुल्क नहीं लिया जाएगा।

पहले से जमा की गई परीक्षा फीस छात्रों को वापस कर दी जाएगी।

पुनः परीक्षा का आयोजन एनटीए अपने आंतरिक संसाधनों के माध्यम से करेगा।

नई परीक्षा तिथि और एडमिट कार्ड से जुड़ी जानकारी जल्द ही आधिकारिक वेबसाइट पर जारी की जाएगी।

छात्रों और अभिभावकों से अपील है कि केवल आधिकारिक सूचना पर ही भरोसा करें और अफवाहों से बचें।

मामला कैसे सामने आया?

जानकारी के अनुसार, नीट यूजी 2026 परीक्षा 3 मई को आयोजित हुई थी। परीक्षा से ठीक एक दिन पहले यानी 2 मई की रात कुछ छात्रों तक एक गेस पेपर पहुंचा। यह गेस पेपर व्हाट्सएप ग्रुप्स के जरिए साझा किया गया था और बाद में इसकी फोटोकॉपी भी कई जगहों पर बांटी गई।

राजस्थान एसओजी के एडीजी विशाल बंसल ने खुद इस बात की पुष्टि की कि 'गेस पेपर आया था। यह व्हाट्सएप पर आया और फोटोकॉपी की दुकान पर मिला। इसकी जांच चल रही है।'

पहले 5-5 लाख तो परीक्षा से एक दिन पहले 30 हजार में बिका गेस पेपर

जांच एजेंसियों के अनुसार, शुरुआत में यह गेस पेपर कथित तौर पर 2 से 5 लाख रुपये में कुछ छात्रों तक पहुंचाया गया था। बाद में यही सामग्री 30 हजार रुपये तक में बेचे जाने की बात सामने आई। हालांकि, एजेंसियां अब यह पता लगाने में जुटी हैं कि यह रकम किस स्तर पर और किन लोगों के बीच ली गई।

केरल से आया था सैंपल पेपर: रिपोर्ट्स

कई मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि राजस्थान एसओजी की जांच में खुलासा हुआ है कि केरल से एक सैंपल पेपर सीकर आया था, जिसमें करीब 150 प्रश्न वही थे जो परीक्षा में पूछे गए। रिपोर्ट्स के मुताबिक, 1 मई को राकेश मंडारिया नाम के काउंसलर के पास केरल में एमबीबीएस की पढ़ाई कर रहे एक चुरू के लड़के ने गेस पेपर भेजा। लड़के ने बताया कि दक्षिण भारत में ये गेस पेपर बिक रहे हैं। इस प्रकार यह पेपर कोचिंग संस्थानों, फॉटो कॉपी की दुकानों तक और छात्रों तक पहुंचा। हालांकि, मामले की जांच जारी है और एनटीए के आधिकारिक बयान के बाद ही स्थिति साफ होगी।

किसी ने कर्ज लिया, किसी ने गहने बेचे... और मिला पेपर लीक, राहुल गांधी ने साधा सरकार पर निशाना

नई दिल्ली। NEET रद्द होने पर राहुल गांधी का केंद्र सरकार पर हमला कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने NEET-UG 2026 परीक्षा रद्द होने को लेकर केंद्र सरकार और भाजपा पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि यह केवल एक परीक्षा रद्द होने का मामला नहीं, बल्कि देश के लाखों युवाओं के भविष्य के साथ बड़ा अन्याय है। राहुल गांधी ने कहा, 'NEET 2026 की परीक्षा रद्द हो गई। 22 लाख से ज़्यादा छात्रों की मेहनत, त्याग और सपनों को इस भ्रष्ट भाजपाई व्यवस्था ने कुचल दिया।' उन्होंने कहा कि किसी पिता ने बच्चों की पढ़ाई के लिए कर्ज लिया, किसी मां ने गहने बेचे और लाखों छात्रों ने रात-रात भर जागकर तैयारी की, लेकिन बदले में उन्हें पेपर लीक, सरकारी लापरवाही और शिक्षा व्यवस्था में संगठित भ्रष्टाचार मिला।

राहुल गांधी ने कहा कि हर बार पेपर माफिया बच निकलते हैं और ईमानदार छात्र सजा भुगतते हैं। अब लाखों छात्रों को दोबारा मानसिक तनाव, आर्थिक बोझ और अनिश्चितता का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा, 'अगर किसी की तकदीर मेहनत से नहीं, बल्कि पैसे और पहुंच से तय होगी, तो फिर शिक्षा का मतलब क्या रह जाएगा?' राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रधानमंत्री का तथाकथित 'अमृतकाल' अब देश के युवाओं के लिए 'विषकाल' बन गया है। उन्होंने कहा कि लगातार हो रहे पेपर लीक और परीक्षा घोटाले देश की शिक्षा व्यवस्था को कमजोर कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

आगरा में बड़ा हादसाः यमुना में नहाने के लिए कूदे छह किशोर डूबे, दो की उपचार के दौरान मौत

आगरा। आगरा के बल्केश्वर घाट पर मंगलवार सुबह बड़ा हादसा हो गया। भीषण गर्मी में यमुना में डुबकी लगाने उतरे छह किशोर अचानक गहरे पानी में डूबने लगे। किशोरों को डूबता देख घाट पर अफरा-तफरी मच गई। मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद थाना पुलिस और राहत टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस और स्थानीय गोताखोरों ने तत्काल बचाव कार्य शुरू कर दिया। कड़ी मशक्कत के बाद पांच किशोरों को यमुना से बाहर निकाल लिया गया। इनमें से तीन किशोरों की हालत गंभीर बताई गई। उन्हें तत्काल उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उपचार के दौरान दो किशोर महक और कान्हा की मौत हो गई। वहीं तीसरे का उपचार जारी है। वहीं दो अन्य किशोरों की हालत फिलहाल स्थिर बताई गई है। उधर घटना की जानकारी मिलने के बाद परिजन भी मौके पर पहुंच गए। उनका रो-रोकर हाल बेहाल है। वहीं यमुना में अभी भी छठवें किशोर की तलाश जारी है। गोताखोरों की मदद से सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है। डीसीपी सिटी सैय्यद अली अब्बास ने बताया कि बल्केश्वर घाट पर छह किशोर नहाने के दौरान डूब गए थे। इनमें से पांच को बाहर निकाल लिया गया है, जबकि एक किशोर की तलाश जारी है।

आगरा के बल्केश्वर घाट पर यमुना में नहाने उतरे छह किशोर डूब गए। पुलिस ने पांच को बाहर निकाल लिया, जिनमें तीन की हालत गंभीर देखते हुए अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान दो किशोरों की मौत हो गई। वहीं एक किशोर की तलाश जारी है।

उन्होंने बताया कि यमुना से निकाले गए किशोर और किशोरियों में से तीन की हालत नाजुक थी, जिन्हें उपचार के लिए तत्काल ही एसएन अस्पताल की इमरजेंसी भेजा गया। यहां उपचार के दौरान एक किशोर कान्हा और किशोरी महक ने दम तोड़ दिया। तीसरे का उपचार चल रहा है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार सभी किशोर आसपास के इलाके के रहने वाले बताए जा रहे हैं और गर्मी के चलते यमुना में नहाने पहुंचे थे।

हिमंता दूसरी बार असम के सीएम:2 बीजेपी और 2 सहयोगी दलों से मंत्री बने, सभी ने असमिया में शपथ ली; मोदी-शाह मौजूद रहे

हिमंत बिस्व सरमा फिर बने असम के सीएम

नई दिल्ली। हिमंत बिस्व सरमा के राजनीतिक करियर पर नजर डालें तो सामने आता है कि ऑल असम स्टूडेंट्स यूनियन के बाद वे कांग्रेस में दो मुख्यमंत्रियों के नेतृत्व में लगातार सफलता की सीढ़ियां चढ़ते चले गए। हालांकि, 2015 में भाजपा में शामिल होने के बाद वे असम में पार्टी का प्रमुख चेहरा बने और यहीं से उनके 2021 में पहली बार मुख्यमंत्री बनने का रास्ता साफ हुआ। असम में भाजपा ने लगातार तीसरी बार सत्ता में वापसी की है। हालांकि, यह पहली बार नहीं है जब हिमंत ने असम में भाजपा का झंडा बुलंद करने की जिम्मेदारी संभाली और उसे अंजाम तक पहुंचाया। वह ये काम 2016 से ही करते आ रहे हैं। यह बात अलग है कि उन्हें मुख्यमंत्री बनने का पहला मौका 2021 में मिला था।

हिमंत बिस्व सरमा कौन हैं?

हिमंत बिस्व सरमा का जन्म 1 फरवरी 1969 को असम के जोरहाट में हुआ था। बाद में उनका परिवार गुवाहाटी के उलुबारी और गांधीबस्ती इलाके में बस गया। उनका परिवार मूल रूप से नलबाड़ी जिले के लतीमा से ताल्लुक रखता है और उनके छह भाई-बहन हैं। राजनीति में औपचारिक रूप से प्रवेश करने से पहले का उनका सफर शिक्षा, छात्र नेतृत्व और वकालत से जुड़ा रहा है।

1. राजनीति में आने से पहले कैसा था जीवन?

हिमंत ने अपनी स्कूली शिक्षा 1985 में गुवाहाटी के कामरूप अकादमी स्कूल से पूरी की।

पाकिस्तान का बड़ा कबूलनामा!: ईरानी विमान उसके एयरबेस पर मौजूद, अमेरिका ने मध्यस्थ की भूमिका पर उठाए सवाल

अमेरिका और ईरान के बीच पश्चिम एशिया में हालिया तनाव के दौरान पाकिस्तान की भूमिका अब खुद उसके लिए बड़ी कूटनीतिक मुश्किल बनती दिख रही है। पाकिस्तान ने आधिकारिक तौर पर यह स्वीकार कर लिया है कि ईरानी विमान उसकी जमीन पर मौजूद हैं। हालांकि इस्लामाबाद ने इसे सीजफायर के दौरान आया सामान्य प्रशासनिक और लॉजिस्टिक सहयोग बताया, लेकिन इसी बयान ने उन आरोपों को और मजबूत कर दिया है कि पाकिस्तान ने ईरानी सैन्य विमानों को अपने एयरबेस इस्तेमाल करने की अनुमति दी थी।

पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने क्या कहा? पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय (स्नस्न्र) ने मंगलवार को जारी बयान में कहा कि पाकिस्तान में मौजूद ईरानी विमान युद्ध या किसी सैन्य कार्रवाई से जुड़े नहीं हैं। मंत्रालय ने दावा किया कि ये विमान युद्धविराम के दौरान आए थे और बातचीत प्रक्रिया से जुड़े अधिकारियों, सुरक्षा टीमों और प्रशासनिक कर्मचारियों की आवाजाही के लिए इस्तेमाल किए जा रहे थे। बयान से खड़े हुए कई सवाल लेकिन इसी बयान ने कई सवाल भी खड़े कर दिए हैं। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, पाकिस्तान के नूर खान एयरबेस पर ईरान के सैन्य विमान मौजूद हैं। इनमें ईरानी वायुसेना का ऋष्ट-130 विमान भी शामिल बताया गया है, जो खुफिया जानकारी जुटाने और निगरानी के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

विनेश फोगाट के बयान पर सांसद करण भूषण का पलटवार, बोले- कोई जाहिल है तो हम लोग उसे सिखा नहीं सकते

नई दिल्ली। यूपी में गोंडा के नवाबगंज स्थित नंदनी नगर स्पोर्ट्स स्टेडियम में तीन दिवसीय ओपन सीनियर नेशनल रैंकिंग कुश्ती चैंपियनशिप चल रही है। इसके अंतिम दिन मंगलवार को कैसरगंज सांसद करण भूषण सिंह स्टेडियम पहुंचे। उन्होंने महिला और पुरुष पहलवानों से परिचय प्राप्त करके प्रतियोगिता का शुभारंभ किया। इस दौरान सांसद ने विनेश फोगाट के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि यदि कोई 'बेशर्म' जैसे शब्दों का प्रयोग करता है तो यह उसकी मानसिकता को दर्शाता है। कोई जाहिल है तो उसको हम लोग सिखा नहीं सकते। हर किसी को अपनी मर्यादा पता होनी चाहिए। हम लोगों को भी कई बातें बुरी लगती हैं, लेकिन हम कुछ नहीं कहते।

सांसद ने बताया कि प्रतियोगिता में देशभर से करीब 1400 महिला और पुरुष पहलवान हिस्सा ले रहे हैं। फ्री-स्टाइल और ग्रीको-रोमन दोनों वर्गों की स्पर्धाएं आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने नंदनी नगर के सेमी-डोम इंफ्रास्ट्रक्चर को एशिया के चुनिंदा बेहतर कुश्ती केंद्रों में शामिल बताया।

तमिलनाडु में विजय सरकार का बड़ा एक्शनः स्कूलों-पूजा स्थलों के पास की 717 शराब दुकानें होंगी बंद, जारी हुआ आदेश

तमिलनाडु। तमिलनाडु में नई सरकार के गठन के साथ ही मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय ने कड़ा एक्शन शुरू कर दिया है। उन्होंने मंगलवार को अधिकारियों को राज्य भर में 717 शराब की दुकानों को बंद करने का आदेश दिया। ये सभी दुकानें पूजा स्थलों, शिक्षण संस्थानों और बस स्टैंडों के 500 मीटर के दायरे में आती हैं। मुख्यमंत्री ने इन दुकानों को अगले दो हफ्तों के भीतर बंद करने का निर्देश दिया है।राज्य सरकार के अनुसार, तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन (ञ्जस्रूड्डष्) वर्तमान में पूरे तमिलनाडु में शराब की 4,765 दुकानें चलाता है। मुख्यमंत्री के निर्देश मिलने के बाद अधिकारियों ने पूरे राज्य में एक विशेष सर्वे किया। इस जांच का मकसद उन दुकानों की पहचान करना था जो पूजा स्थलों, स्कूलों, कॉलेजों और बस अड्डों के बहुत करीब चल रही थीं। सर्वे के दौरान अधिकारियों ने पाया कि 276 शराब की दुकानें पूजा स्थलों के पास स्थित हैं। इसके अलावा 186 दुकानें स्कूलों और कॉलेजों के पास मिलीं, जबकि 255 दुकानें बस स्टैंडों के करीब पाई गईं। इस तरह कुल 717 दुकानों को बंद करने के लिए चिन्हित किया गया है। अधिकारियों ने बताया कि इस कदम का मुख्य उद्देश्य शराब की दुकानों पर सख्त नियंत्रण रखना है। जनता लंबे समय से सार्वजनिक और संवेदनशील जगहों के पास शराब की दुकानों को लेकर चिंता जता रही थी। सरकार के इस फैसले से लोगों की इन शिकायतों का समाधान होगा और सार्वजनिक स्थानों पर सुरक्षा सुनिश्चित होगी और अनुशासन बना रहेगा।

मलेशियाई पीएम अनवर इब्राहिम ने तमिलनाडु के सीएम विजय को दी बधाई

इस सबके बीच, मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने मंगलवार को तमिलनाडु के नए मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय को बधाई दी। उन्होंने तमिलनाडु और मलेशिया के बीच गहरे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संबंधों की सराहना की। इब्राहिम ने सोशल मीडिया पर लिखा कि कई वर्षों तक विजय के प्रशंसकों ने उन्हें फिल्मों में तीन घंटे के भीतर भ्रष्ट नेताओं और विलेन को हराते देखा है। अब तमिलनाडु की जनता ने उन्हें पर्दे से कहीं बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है।

मलेशियाई प्रधानमंत्री ने विजय को अपना 'दोस्त' बताया। उन्होंने कहा कि 'ओरु विरल पुरत्वी' यानी 'एक उंगली की क्रांति' अब इतिहास रचने के करीब है। इब्राहिम ने कहा कि वह आने वाले वर्षों में मुख्यमंत्री विजय के साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं। 51 साल के विजय 'तमिलगा वेत्री कड़गम' (ञ्जङ्कय्) के संस्थापक हैं। उन्होंने रविवार को तमिलनाडु के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। दोनों क्षेत्रों के बीच पीढ़ियों से लोगों का आपसी जुड़ाव रहा है।

संक्षिप्त समाचार

गांव-गांव में मुनादी कराकर ग्रामीणों को करें जागरूक, जिससे अधिक से अधिक पशुपालक अपने पशुओं का करा सकें टीकाकरण

पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री लखन पटेल ने डिंडोरी जिले के विकासखंड शहपुरा अंतर्गत ग्राम पंचायत बरगांव में मंगलवार को वृहद पशु टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया। अभियान के अंतर्गत 35 गांवों में 50 टीमों द्वारा घर-घर पहुंचकर पशुओं का टीकाकरण किया जाएगा। इस टीकाकरण अभियान का उद्देश्य गलघोंटू जैसे संक्रामक रोगों की रोकथाम कर पशुधन को सुरक्षित रखना है, जिससे पशुपालकों को होने वाली आर्थिक हानि से बचाया जा सके।इस अवसर पर मुख्य अतिथियों ने 4 बसों एवं 18 चार पहिया वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन वाहनों में पशु चिकित्सक, पैराबेट, सहायक एवं अन्य तकनीकी कर्मचारी शामिल हैं, जो ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर पशुओं का टीकाकरण करेंगे। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उईके, सांसद श्री फग्गनसिंह कुलस्ते, विधायक श्री ओमप्रकाश धुर्वे, जिला अध्यक्ष श्री चमरू सिंह नेताम सहित श्री राजकुमार मटाले (अखिल भारतीय सह सेवा प्रमुख), कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, डॉ. राखी वैश्य (डीन, वेटरनरी कॉलेज जबलपुर), डॉ. मंजीत शर्मा (कुलगुरु, नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय), श्री मनोहर लाल साहू, श्री सुनील कांत, एच.पी. शुक्ला, डॉ. आदित्य मिश्रा, डॉ. सुनील मिश्रा, डॉ. कृष्ण कुमार एवं श्री सतीश चौबे राष्ट्रीय संयोजक अखिल भारतीय सहित अन्य अधिकारी एवं चिकित्सक उपस्थित रहे। पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री श्री पटेल ने टीकाकरण शिविर का अवलोकन कर अधिकारियों को अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन पशुपालकों के हित में लगातार कार्य कर रहा है तथा पशुओं को रोगमुक्त रखने के लिए यह अभियान अत्यंत महत्वपूर्ण है। अभियान को सफल बनाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा गांव-गांव में मुनादी कराकर ग्रामीणों को जागरूक किया जाए, जिससे अधिक से अधिक पशुपालक अपने पशुओं का टीकाकरण करा सकें। इस अभियान में नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय जबलपुर, पशुपालन विभाग जबलपुर एवं पशुपालन विभाग डिंडोरी के चिकित्सकों एवं तकनीकी टीम का विशेष सहयोग रहा।

पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री लखन पटेल ने डिंडोरी जिले के विकासखंड शहपुरा अंतर्गत ग्राम पंचायत बरगांव में मंगलवार को वृहद पशु टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया। अभियान के अंतर्गत 35 गांवों में 50 टीमों द्वारा घर-घर पहुंचकर पशुओं का टीकाकरण किया जाएगा। इस टीकाकरण अभियान का उद्देश्य गलघोंटू जैसे संक्रामक रोगों की रोकथाम कर पशुधन को सुरक्षित रखना है, जिससे पशुपालकों को होने वाली आर्थिक हानि से बचाया जा सके।इस अवसर पर मुख्य अतिथियों ने 4 बसों एवं 18 चार पहिया वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन वाहनों में पशु चिकित्सक, पैराबेट, सहायक एवं अन्य तकनीकी कर्मचारी शामिल हैं, जो ग्रामीण क्षेत्रों में पहुंचकर पशुओं का टीकाकरण करेंगे। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उईके, सांसद श्री फग्गनसिंह कुलस्ते, विधायक श्री ओमप्रकाश धुर्वे, जिला अध्यक्ष श्री चमरू सिंह नेताम सहित श्री राजकुमार मटाले (अखिल भारतीय सह सेवा प्रमुख), कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया, डॉ. राखी वैश्य (डीन, वेटरनरी कॉलेज जबलपुर), डॉ. मंजीत शर्मा (कुलगुरु, नानाजी देशमुख पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय), श्री मनोहर लाल साहू, श्री सुनील कांत, एच.पी. शुक्ला, डॉ. आदित्य मिश्रा, डॉ. सुनील मिश्रा, डॉ. कृष्ण कुमार एवं श्री सतीश चौबे राष्ट्रीय संयोजक अखिल भारतीय सहित अन्य अधिकारी एवं चिकित्सक उपस्थित रहे। पशुपालन एवं डेयरी विभाग राज्यमंत्री श्री पटेल ने टीकाकरण शिविर का अवलोकन कर अधिकारियों को अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन पशुपालकों के हित में लगातार कार्य कर रहा है तथा पशुओं को रोगमुक्त रखने के लिए यह अभियान अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मध्यप्रदेश और फ्रांस का सहयोग औद्योगिक विकास, नवाचार और वैश्विक निवेश के नए अवसर तैयार करेगा : मंत्री श्री काश्यप

फ्रांस और भारत के बीच दीर्घकालिक और भरोसेमंद साझेदारी हो रही है लगातार मजबूत : फ्रांस राजदूत श्री मथाउ

त्वरित निर्णय, पारदर्शिता और तेज क्रियान्वयन की कार्य संस्कृति : मुख्य सचिव श्री जैन

निवेश, नवाचार और सतत विकास के साझा विजन पर केंद्रित रहा इंडो-फ्रेंच कॉन्क्लेव

मध्यप्रदेश में भारत-फ्रांस औद्योगिक साझेदारी को मिलेगा नया विस्तार

उद्योग जगत के 150 प्रतिनिधियों ने की कॉन्क्लेव में सहभागिता

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्य काश्यप ने कहा कि मध्यप्रदेश आज शांति, स्थिरता और औद्योगिक संभावनाओं का मजबूत केंद्र बनकर उभर रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने प्रत्येक क्षेत्र की आवश्यकताओं के अनुरूप निवेशक-अनुकूल नीतियां विकसित की हैं, जिससे उद्योगों के लिए भरोसेमंद और सकारात्मक वातावरण तैयार हुआ है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश देश के हृदय स्थल पर स्थित होने के कारण भारत के प्रमुख बाजारों तक सहज और संतुलित पहुंच प्रदान करता है, जिससे लॉजिस्टिक्स और सप्लाई नेटवर्क अत्यंत सुगम एवं किफायती बनता है। मंत्री श्री काश्यप ने यह बात कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में इंडो-फ्रेंच कॉन्क्लेव को संबोधित करते हुए कही। मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि स्पेस टेक्नोलॉजी, पर्यटन, लॉजिस्टिक्स, फूड प्रोसेसिंग और उभरते औद्योगिक क्षेत्रों में मध्यप्रदेश तेजी से नई संभावनाएं विकसित कर रहा है। सिंचाई क्षमता में हुए विस्तार से कृषि आधारित उद्योगों और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र को विशेष गति मिली है। मंत्री श्री काश्यप ने कहा कि कारोबार सुगमता के क्षेत्र में मध्यप्रदेश ने देश में महत्वपूर्ण पहचान बनाई है तथा निवेशकों के लिए पारदर्शी और उद्योग समर्थक वातावरण तैयार किया गया है। उन्होंने कहा कि फ्रांस सहित यूरोपीय देशों के साथ मध्यप्रदेश की औद्योगिक साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है और ऐसे आयोजन वैश्विक निवेश, तकनीकी सहयोग और नवाचार को नई दिशा दे रहे हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि मध्यप्रदेश और फ्रांस के बीच यह सहयोग आने वाले समय में और अधिक सशक्त होगा तथा यह साझेदारी औद्योगिक विकास, रोजगार सृजन और आर्थिक प्रगति के नए अवसर तैयार करेगी। फ्रासं और भारत के बीच दीर्घकालिक और भरोसेमंद साझेदारी हो रही है मजबूत : फ्रांस के राजदूत श्री मथाउ भारत में फ्रांस के राजदूत श्री थिएरी मथाउ ने कहा कि इंडो-फ्रेंच इन्वेस्टमेंट कॉन्क्लेव भारत और फ्रांस के बीच मजबूत होते आर्थिक एवं रणनीतिक संबंधों का महत्वपूर्ण मंच है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश ने अपनी उद्योग अनुकूल नीतियों और निवेश समर्थक वातावरण के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय निवेशकों के लिए नई संभावनाएं निर्मित की हैं। उन्होंने कहा कि फ्रांस और भारत के बीच दीर्घकालिक एवं भरोसेमंद साझेदारी लगातार मजबूत हो रही है तथा दोनों देश आर्थिक सहयोग, नवाचार और तकनीकी विकास के क्षेत्रों में नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि भारत में 700 से अधिक फ्रांसीसी कंपनियां कार्यरत हैं, जो रोजगार सृजन, नवाचार और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। उन्होंने कहा कि लॉजिस्टिक्स, ऑटोमोबाइल, कृषि, अधोसंरचना, रिटेल, जैव विविधता, शिक्षा और सतत विकास जैसे क्षेत्रों में फ्रांस की कंपनियां मध्यप्रदेश के साथ दीर्घकालिक साझेदारी के लिए उत्साहित हैं। उन्होंने मध्यप्रदेश के साथ फ्रांस के सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि आने वाले समय में शिक्षा, पर्यटन, अकादमिक आदान-प्रदान और संस्कृति के क्षेत्रों में सहयोग और अधिक विस्तारित होगा। त्वरित निर्णय, पारदर्शिता और तेज क्रियान्वयन की कार्य संस्कृति : मुख्य सचिव श्री जैन मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने कहा कि मध्यप्रदेश निवेश आधारित औद्योगिक विकास को गति देने के लिए उच्च संभावनाओं वाले क्षेत्रों पर रणनीतिक रूप से कार्य कर रहा है। उन्होंने बाबई औद्योगिक क्षेत्र का उल्लेख करते हुए कहा कि स्वीकृति मिलने के तुरंत बाद परियोजना पर कार्य प्रारंभ हुआ और अल्प समय में ही पूरे औद्योगिक क्षेत्र का आवंटन कर 11 इकाइयों का भूमि पूजन किया गया। उन्होंने कहा कि वस्त्र उद्योग सहित कई क्षेत्रों में तेजी से निवेश और विस्तार हो रहा है तथा उद्योगों को प्रोत्साहित करने के लिए 18 नई क्षेत्रीय नीतियां लागू की गई हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि निवेश प्रक्रियाओं को पूरी तरह सरल और पारदर्शी बनाया गया है तथा फ्रांस की प्रमुख कंपनियों और वैश्विक संस्थाओं की मध्यप्रदेश में लगातार रुचि बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि मंडला में महत्वपूर्ण परमाणु ऊर्जा परियोजना विकसित की जा रही है तथा स्वच्छ ऊर्जा क्षेत्र में मध्यप्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है। मजबूत अधोसंरचना और निवेश अनुकूल वातावरण : प्रमुख सचिव श्री सिंह औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन प्रमुख सचिव श्री राघवेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश अपनी केंद्रीय भौगोलिक स्थिति के कारण देश के लगभग 50 प्रतिशत उपभोक्ता बाजार तक सहज पहुंच प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि मजबूत औद्योगिक अधोसंरचना, 31 गीगावाट विद्युत क्षमता, प्रचुर जल उपलब्धता, 8 एयरपोर्ट, 5 आर्थिक कॉरिडोर, विस्तृत सड़क नेटवर्क और एक लाख एकड़ से अधिक औद्योगिक भूमि मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश के लिए विशेष रूप से उपयुक्त बनाते हैं। उन्होंने कहा कि फ्रांस के साथ फार्मास्यूटिकल्स, ऑटोमोबाइल, नवीकरणीय ऊर्जा, फूड प्रोसेसिंग, एयरोस्पेस और मेडिकल डिवाइसेस जैसे क्षेत्रों में व्यापक संभावनाएं हैं। उन्होंने जानकारी दी कि वर्ष 2024-25 में मध्यप्रदेश से फ्रांस को लगभग 290 मिलियन अमेरिकी डॉलर का निर्यात हुआ, जिसमें फार्मास्यूटिकल्स, मशीनरी, फूड इंडस्ट्री अवशेष, एल्युमिनियम उत्पाद और टेक्सटाइल प्रमुख रहे। उन्होंने कहा कि सिंगल विंडो प्रणाली, जीआईएस आधारित भूमि आवंटन, अनुपालन सरलीकरण तथा प्रत्यक्ष लाभ अंतरण जैसी व्यवस्थाओं ने निवेशकों के लिए उद्योग स्थापना को अधिक सरल, पारदर्शी और भरोसेमंद बनाया है। इंडो-फ्रेंच चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की महानिदेशक सुश्री पायल एस. कंवर ने कहा कि मध्यप्रदेश फ्रांसीसी निवेश के लिए तेजी से उभरता हुआ विकास केंद्र है और यह कॉन्क्लेव व्यापार, नवाचार और सतत विकास के नए अवसरों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि भारत और फ्रांस के बीच व्यापारिक संबंधों को और सशक्त बनाने के लिए विभिन्न राज्यों में निवेश कॉन्क्लेव आयोजित किए जा रहे हैं तथा मध्यप्रदेश संस्करण राज्य स्तरीय सहयोग को नई मजबूती प्रदान करेगा। कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेशन सेंटर में आयोजित इंडो-फ्रेंच इन्वेस्टमेंट कॉन्क्लेव-2026 में भारत और फ्रांस के बीच औद्योगिक, आर्थिक एवं तकनीकी सहयोग को नई दिशा देने पर व्यापक मंथन हुआ। इंडो-फ्रेंच चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास निगम तथा भारत स्थित फ्रांस दूतावास के सहयोग से आयोजित कॉन्क्लेव में फ्रांस की प्रमुख कंपनियों, निवेशकों, उद्योग प्रतिनिधियों, नीति निर्माताओं तथा शासकीय अधिकारियों ने भागीदारी की। कार्यक्रम में ऊर्जा, अधोसंरचना, लॉजिस्टिक्स, खाद्य प्रसंस्करण, कृषि व्यवसाय, स्वास्थ्य, शिक्षा, सूचना प्रौद्योगिकी, रक्षा, संचार, सतत विकास, हरित ऊर्जा, उन्नत विनिर्माण तथा सप्लाई चेन जैसे क्षेत्रों में निवेश एवं साझेदारी की संभावनाओं पर विस्तृत चर्चा हुई। कॉन्क्लेव के पूर्व फ्रेंच डेलिगेशन ने मध्यप्रदेश जनजातीय संग्रहालय का भ्रमण कर प्रदेश की जनजातीय कला एवं सांस्कृतिक विरासत को देखा। अगले दिन प्रतिनिधिमंडल ने यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल भीमबेटका शैलाश्रय का भ्रमण कर वहां संरक्षित 30 हजार वर्ष से अधिक पुराने प्रागैतिहासिक शैलचित्रों और सांस्कृतिक विरासत का अवलोकन किया। कॉन्क्लेव प्रारंभ होने से पूर्व प्रतिनिधियों के लिए नेटवर्किंग सत्र में उद्योगों और निवेश संभावनाओं पर संवाद हुआ। कार्यक्रम का प्रारंभ इंडो-फ्रेंच चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की उपनिदेशक सुश्री ऋषिका रॉय के स्वागत उद्बोधन से हुआ। इसके पश्चात औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन विभाग के प्रमुख सचिव श्री राघवेंद्र कुमार सिंह ने 'डूइंग बिजनेस इन मध्यप्रदेश : पॉलिसी, प्रोत्साहन एवं सुगम पहुंच' विषय पर प्रस्तुतीकरण देते हुए राज्य की औद्योगिक नीति, निवेश प्रोत्साहन, सिंगल विंडो व्यवस्था, औद्योगिक अधोसंरचना, भूमि आवंटन प्रणाली तथा निवेशकों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की विस्तृत जानकारी साझा की। कार्यक्रम में भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के संयुक्त सचिव श्री आर्मस्ट्रांग पामे भी उपस्थित रहे। कॉन्क्लेव में 'सस्टेनेबल निवेश के लिए मध्यप्रदेश : नीति, साझेदारी और संभावनाएं' विषय पर विशेष पैनल डिस्कशन हुआ। चर्चा में निवेश, भविष्य उन्मुख औद्योगिक विकास मॉडल, ऊर्जा, स्वास्थ्य, कृषि प्रसंस्करण, तकनीक आधारित विकास तथा अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी पर विचार साझा किए गए। पैनल में सूफलेट माल्ट, ईडीएफ न्यूक्लियर प्रोजेक्ट्स, सनोफी, डसॉल्ट सिस्टम्स तथा एचएसबीसी के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में प्रश्नोत्तर सत्र, अभिरुचि अभिव्यक्तियों एवं सहमति पत्रों का आदान-प्रदान तथा द्विपक्षीय एवं व्यवसायिक बैठकों का आयोजन भी किया गया। महत्वपूर्ण सेक्टर्स में हुए एमओयू और ईओआई इंडो फ्रेंच इन्वेस्टमेंट कॉन्क्लेव में मध्यप्रदेश और फ्रांस के बीच औद्योगिक, ऊर्जा, कृषि, शहरी विकास तथा शिक्षा क्षेत्रों में सहयोग को नई गति मिली। कॉन्क्लेव के दौरान विभिन्न विभागों एवं संस्थानों द्वारा एमओयू एक्सचेंज और ईओआई प्रस्तुत किए गए। डीपीआईपी/एमपीआईडीसी और इंडो-फ्रेंच चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (आईएफसीसीआई) के मध्य निवेश सहयोग को लेकर एमओयू का आदान-प्रदान हुआ। नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग ने फ्रांस की प्रमुख कंपनी एंजी के साथ ऊर्जा क्षेत्र में संभावनाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में सहभागिता दर्ज की। टेक्सटाइल सेक्टर में टेस्का टेक्सटाइल्स द्वारा निवेश रुचि प्रस्तुत की गई, जबकि डसॉल्ट सिस्टम्स ने शहरी और पब्लिक सर्विसेज आधारित तकनीकी सहयोग की संभावनाओं पर प्रस्तुति दी। किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग के साथ सूफलेट माल्ट ने कृषि आधारित उद्योगों में सहयोग को लेकर रुचि दिखाई। शहरी विकास एवं आवास विभाग के साथ सिस्ट्रा तथा पोमा रोपवेज ने शहरी परिवहन और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में भागीदारी की संभावनाएं प्रस्तुत कीं। वहीं, मेडिकैप्स यूनिवर्सिटी और एआई वैनसिटी के मध्य शैक्षणिक एवं तकनीकी सहयोग को लेकर प्रस्तुति दी गई। कॉन्क्लेव में हुई इन सहभागिताओं ने मध्यप्रदेश में फ्रांसीसी निवेश, तकनीकी सहयोग और नवाचार आधारित औद्योगिक विकास की संभावनाओं को और मजबूत किया। कार्यक्रम में लगभग 150 उद्योग जगत के प्रतिनिधियों ने भाग लिया, जिनमें फ्रांसीसी एवं भारतीय कंपनियों के मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, निवेशक, राजनयिक, शासकीय अधिकारी तथा नीति विशेषज्ञ शामिल रहे। कार्यक्रम में वर्तमान और संभावित फ्रांसीसी निवेशकों ने मध्यप्रदेश के विस्तारित औद्योगिक एवं आर्थिक परिदृश्य में निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की। इन निवेश संवादों से प्रदेश में औद्योगिक विकास एवं रोजगार सृजन को महत्वपूर्ण गति मिलेगी।

मध्यप्रदेश देश के 'नेक्स्ट जेन टेक्नोलॉजी हब' के रूप में हो रहा स्थापित : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश उभरते आईटी राज्य से आगे बढ़ते हुए 'नेक्स्ट जेन टेक्नोलॉजी हब' के रूप में अपनी नई पहचान स्थापित कर रहा है। मध्यप्रदेश निश्चित ही आने वाले समय में देश की डिजिटल और तकनीकी अर्थव्यवस्था के प्रमुख ग्रोथ इंजन के रूप में कार्य करेगा।राज्य सरकार द्वारा जीसीसी, एआई, सेमीकंडक्टर, ड्रोन, स्पेसटेक तथा एवीजीसी-एक्सआर जैसे भविष्य उन्मुख क्षेत्रों में लागू की गई नीतियां प्रदेश को देश की नई तकनीकी शक्ति के रूप में स्थापित कर रही हैं। इन नीतियों से प्रदेश में वैश्विक निवेश को प्रोत्साहन मिलने के साथ युवाओं के लिए रोजगार, नवाचार एवं कौशल विकास के नए अवसर सृजित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश तकनीक, नवाचार और कौशल आधारित विकास मॉडल की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। जीसीसी नीति लागू करने वाला देश का पहला राज्य 'मध्यप्रदेश' मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है जिसने 'ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) पॉलिसी-2025' लागू की है। इस नीति से बहुराष्ट्रीय कंपनियों को टेक्नोलॉजी, अनुसंधान, एनालिटिक्स और साझा सेवाओं के केंद्र स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा पूंजीगत सब्सिडी, भूमि रियायत, किराया सहायता और तकनीकी विशेषज्ञों के लिए वेतन अनुदान जैसी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं।इंदौर, भोपाल, ग्वालियर और जबलपुर जैसे शहरों में विकसित हो रहा आधुनिक आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर प्रदेश को निवेश के लिए आकर्षक बना रहा है। इंदौर सुपर कॉरिडोर में विकसित हो रहे विश्वस्तरीय आईटी पार्क हजारों रोजगार अवसर सृजित करेंगे। प्रदेश सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण में निरंतर बढ़ रहा आगे मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश सेमीकंडक्टर और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण के क्षेत्र में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। 'मध्यप्रदेश सेमीकंडक्टर नीति-2025' के माध्यम से चिप डिजाइन, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण, अनुसंधान एवं विकास और डिजाइन आधारित स्टार्ट-अप्स को बढ़ावा दिया जा रहा है। नीति में पूंजीगत निवेश सहायता, भूमि रियायत, स्टॉम्प शुल्क प्रतिपूर्ति और विद्युत शुल्क में छूट जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराये जाने के प्रावधान शामिल किये गये हैं। अनुसंधान आधारित कंपनियों और डिजाइन स्टार्ट-अप्स को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है भोपाल और ग्वालियर में पीसीबी मैन्युफैक्चरिंग इकाइयों की स्थापना के लिए हजारों करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव इस क्षेत्र में बढ़ते विश्वास को दर्शाते हैं। सरकार उच्च शिक्षण संस्थानों में वेरी लार्ज स्केल इंटीग्रेश (वीएलएसआई) चिप डिजाइन और इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण से जुड़े विशेष पाठ्यक्रम भी शुरू कर रही है जिससे भविष्य के लिए प्रशिक्षित मानव संसाधन तैयार हो सके। स्पेस टेक्नोलॉजी में राष्ट्रीय पहचान की ओर अग्रसर प्रदेश प्रदेश 'स्पेसटेक नीति-2026' जारी करने के साथ ही अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भी नई उड़ान भर रहा है।'स्पेसटेक नीति-2026' का उद्देश्य प्रदेश को देश का अग्रणी अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी केंद्र बनाना है। इस नीति के तहत उपग्रह निर्माण, भू-स्थानिक विश्लेषण, स्पेस स्टार्ट-अप्स और एडवांस्ड रिसर्च को बढ़ावा दिया जा रहा है। राज्य सरकार द्वारा 40 प्रतिशत तक पूंजीगत सहायता, अनुसंधान अनुदान और स्टार्ट-अप समर्थन उपलब्ध कराया जा रहा है।भोपाल में स्पेसटेक क्लस्टर विकसित करने के लिए केंद्र सरकारक उपक्रम 'इन-स्पेस' के साथ काम किया जा रहा है। आईआईटी इंदौर, आईआईएसईआर भोपाल, आरआरकैट और एमपीसीएसटी जैसे संस्थानों की भागीदारी से प्रदेश में स्पेस इनोवेशन इकोसिस्टम मजबूत हो रहा है। स्मॉल-सैट डिजिटल ट्विन लैब और स्पेस इनोवेशन सैंड-बॉक्स जैसी पहलें मध्यप्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर विशिष्ट पहचान दिला रही हैं।

ब्राजील के राष्ट्रपति का सियासी दांवः चुनाव से पांच माह पहले अरबों की योजना

ब्राजील में चुनाव से ठीक पहले राष्ट्रपति लूला ने 2 अरब डॉलर के सुरक्षा प्रोजेक्ट से मास्टरस्ट्रोक खेला है। हाई-टेक तकनीक और गैंग्स की फंडिंग रोकने की यह योजना न केवल अपराध कम करेगी, बल्कि सुरक्षा के मुद्दे पर विपक्ष की बोलती बंद करने की भी एक बड़ी कोशिश है। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने आगामी चुनावों से पहले एक बड़ा राजनीतिक दांव खेला है। लूला सरकार ने मंगलवार को संगठित अपराध से निपटने के लिए 11 बिलियन रियास यानी करीब 2 अरब डॉलर के एक मेगा प्रोजेक्ट की शुरुआत की है। इसे सार्वजनिक सुरक्षा के मोर्चे पर लूला की छवि को मजबूत करने की कोशिश माना जा रहा है। सुरक्षा बजट के साथ-साथ आधुनिक हथियारों पर जोर इस कार्यक्रम के तहत सार्वजनिक सुरक्षा पर भारी निवेश किया जाएगा। सरकार ने कहा कि इसमें से 1 बिलियन रियास यानी 190 मिलियन डॉलर इसी साल दिसंबर तक खर्च कर दिए जाएंगे। इस योजना का मुख्य उद्देश्य हथियारों की तस्करी रोकना और आपराधिक संगठनों की आर्थिक कमर तोड़ना है। इसके साथ ही, हत्या की जांच और जेल प्रणाली में सुधार पर भी निवेश होगा। हाई-टेक उपकरणों से लैस होगी पुलिस अपराधियों पर लगाम कसने के लिए पुलिस को

अत्याधुनिक तकनीक मुहैया कराई जाएगी। सरकार ड्रोन, बॉडी स्कैनर, मेटल डिटेक्टर और सेलफोन सिग्नल ब्लॉकर जैसे उपकरण खरीदेगी। इसके अलावा एक्स-रे मशीनें, डीएनए ट्रैकिंग उपकरण और आधुनिक रडार सिस्टम भी खरीदे जाएंगे। इस मुहिम का सीधा निशाना ब्राजील के दो सबसे खूंखार गैंग, फर्स्ट कमांड ऑफ द कैपिटल-पीसीसी और रेड कमांड-सीवी हैं। डोनाल्ड ट्रंप के साथ सुरक्षा पर चर्चा अपने चौथे कार्यकाल की तैयारी कर रहे लूला ने बताया कि पिछले सप्ताह वाशिंगटन दौरे पर उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से सुरक्षा मुद्दों पर बात की। लूला के अनुसार, उन्होंने ट्रंप से कहा कि ब्राजील में इस्तेमाल होने वाले कई हथियार अमेरिका से आते हैं। यदि अमेरिका इस लड़ाई में साथ देना चाहता है, तो उसे ब्राजील सरकार और वहां की पुलिस के नियमों के अनुसार काम करना होगा। विपक्ष का पलटवार लूला की इस योजना पर विपक्षी दलों ने सवाल उठाए हैं। विपक्षी गवर्नरों ने इस फंड के इस्तेमाल पर हिचकिचाहट दिखाई है। सीनेटर फ्लेवियो बोल्सनारो और रोनाल्डो कैयाडो जैसे नेता लूला की पार्टी को अपराध के प्रति नरम बताते रहे हैं। हालांकि, उपराष्ट्रपति गेराल्डो अल्कमिन ने पलटवार करते हुए कहा कि

नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग ने सेना के शीर्ष जनरल को किया बर्खास्त, युद्ध के लिए तैयार रहने को कहा

उत्तर कोरिया । उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने सेना के शीर्ष जनरल को बर्खास्त कर दिया है और युद्ध की तैयारी का आह्वान किया है। सनकी तानाशाह ने युद्ध की संभावना के बीच देश में अधिक से अधिक हथियारों के उत्पादन में वृद्धि करने और सैन्य अभ्यास का विस्तार करने का आह्वान किया है। राज्य मीडिया केसीएनए ने गुरुवार को यह जानकारी दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि किम जोंग ने केंद्रीय सैन्य आयोग की एक बैठक में यह टिप्पणी की, जिसमें उत्तर कोरिया के दुश्मनों को रोकने के लिए जवाबी कदमों की योजना पर चर्चा की गई। हालांकि, दुश्मनों का नाम नहीं बताया गया है। तानशाह ने जनरल स्टाफ प्रमुख पाक सु इल की जगह जनरल री योंग गिल को सेना का शीर्ष जनरल नामित किया है। हालांकि, यह नहीं बताया गया है कि जनरल री रक्षा मंत्री के रूप में भी अपनी भूमिका में बरकरार रहेंगे या नहीं। रिपोर्ट में विवरण दिए बिना कहा गया है कि किम जोंग ने हथियार उत्पादन क्षमता के विस्तार का लक्ष्य भी रखा है। पिछले सप्ताह उन्होंने हथियार कारखानों का दौरा किया था, जहां उन्होंने अधिक मिसाइल इंजन, तोपखाने और अन्य हथियार बनाने का आह्वान किया था।

यूएस मीडिया की रिपोर्ट पर राणा सनाउल्लाह ने उठाए सवाल, दस्तावेज की प्रामाणिकता की जांच का किया

पाकिस्तान के निवर्तमान गृह मंत्री राणा सनाउल्लाह ने गुरुवार को एक अमेरिकी पब्लिकेशन की समाचार रिपोर्ट में इस्तेमाल किए गए स्रोत दस्तावेज की प्रामाणिकता निर्धारित करने के लिए जांच का आह्वान किया। रिपोर्ट में पिछले साल इमरान खान की सरकार को गिराने की अमेरिकी साजिश के सबूत होने का दावा किया गया था। लगातार कई ट्वीट्स कर सनाउल्लाह ने कहा, संभावित रूप से यह एक बहुत ही भयावह, विश्वासघाती और देशद्रोही कृत्य है। उन्होंने कहा, हालांकि इस कहानी में कुछ भी नया नहीं है, लेकिन जानकारी या स्रोत दस्तावेज की प्रामाणिकता स्थापित करने के लिए जांच की जानी चाहिए। सनाउल्लाह एक ऑनलाइन यूएस-आधारित समाचार संगठन द इंटरसेप्ट में प्रकाशित एक रिपोर्ट का जिक्र कर रहे थे, जिसमें दावा किया गया था कि उन्होंने उस गुप्त दस्तावेज प्राप्त कर लिया है, जो पूर्व प्रधानमंत्री खान के अनुसार पिछले साल अप्रैल में उनकी सरकार के पतन का कारण बना था। 70 वर्षीय इमरान खान वर्तमान में भ्रष्टाचार के एक मामले में अदालत द्वारा सजा सुनाए जाने के बाद तीन साल की जेल काट रहे हैं। कथित सिफर (गुप्त राजनयिक दस्तावेज) में अमेरिकी विदेश विभाग के अधिकारियों के बीच एक बैठक का विवरण था, जिसमें दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के ब्यूरो के सहायक

सचिव डोनाल्ड लू और पाकिस्तानी दूत असद मजीद खान शामिल थे। द इंटरसेप्ट ने बुधवार को गोपनीय पाकिस्तानी सरकार के दस्तावेज का हवाला देते हुए रिपोर्ट दी, अमेरिकी विदेश विभाग ने सात मार्च, 2022 की बैठक में यूक्रेन पर रूसी आक्रमण को लेकर अपनी तटस्थता के लिए इमरान खान को प्रधानमंत्री पद से हटाने के लिए पाकिस्तानी सरकार को प्रोत्साहित किया था। साथ ही, प्रकाशन ने यह भी दावा किया कि उसने दस्तावेज को प्रमाणित करने के लिए व्यापक प्रयास किए, लेकिन पाकिस्तान में सुरक्षा माहौल को देखते हुए पाकिस्तानी सरकार के स्रोतों से स्वतंत्र पुष्टि संभव नहीं थी। खान पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के अध्यक्ष भी हैं। उन्हें अप्रैल 2022 में अविश्वास प्रस्ताव हारने के बाद नेशनल असेंबली से बाहर कर दिया गया था।

मिसाइल परीक्षण पर बोले पुतिन- ये दुनिया में सबसे ताकतवर, परमाणु आधुनिकीकरण की कोशिश तेज

रूस ने सरमत मिसाइल के जरिए अपनी परमाणु सर्वोच्चता का एलान कर दिया है। यूक्रेन युद्ध के अंतिम दौर में होने के पुतिन के दावे के बीच यह घातक परीक्षण पश्चिमी देशों के लिए एक सीधा और गंभीर संदेश है। इस मिसाइल परीक्षण के जरिए पुतिन ने क्या संदेश दिया? खबर में जानिए... रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने देश की सामरिक परमाणु शक्ति को और मजबूत करते हुए एक नई इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल के सफल परीक्षण की घोषणा की है। रूस ने यह शक्ति प्रदर्शन ऐसे समय में किया है, जब पुतिन ने हाल ही में यूक्रेन युद्ध के जल्द समाप्त होने का संकेत दिया था। पुतिन ने कहा कि नई सरमत मिसाइल इस साल के अंत तक युद्धक सेवाओं के लिए तैनात कर दी जाएगी। यह मिसाइल सोवियत काल की पुरानी वोयेवोडा का स्थान लेगी। पुतिन ने इस मिसाइल को दुनिया की सबसे शक्तिशाली मारक क्षमता वाला हथियार बताया है। उन्होंने दावा किया कि सरमत के

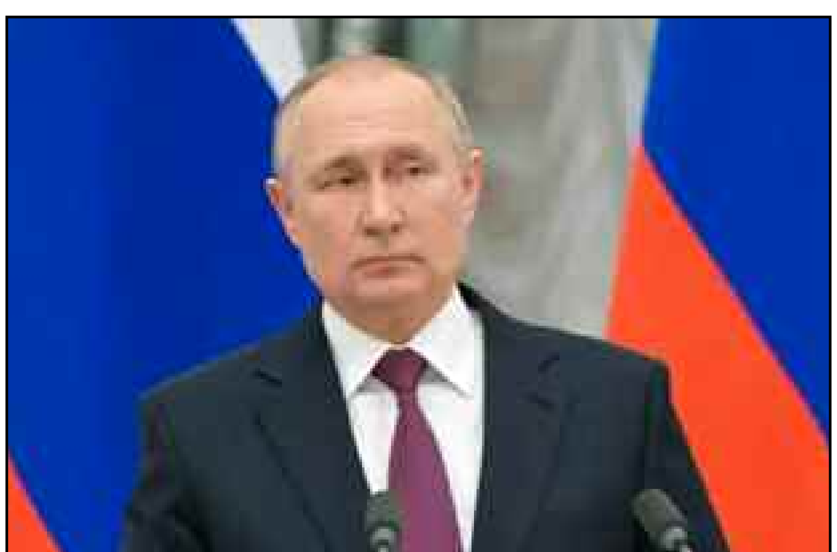

वारहेड्स की शक्ति किसी भी पश्चिमी मिसाइल की तुलना में चार गुना अधिक है। फरवरी 2022 में यूक्रेन में सेना भेजने के बाद से ही पुतिन लगातार अपनी परमाणु क्षमता का प्रदर्शन कर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यह परीक्षण यूक्रेन को दी जाने वाली पश्चिमी देशों की मदद को रोकने की एक बड़ी कोशिश है। पश्चिम में शैतान द्वितीय के नाम से चर्चित इस मिसाइल की रेंज 35,000 किलोमीटर से भी अधिक है। पुतिन के अनुसार, यह उप-कक्षीय उड़ान भरने में सक्षम है। इसकी सटीकता और मारक क्षमता पुरानी मिसाइलों से कहीं बेहतर है। रूस ने दावा किया है कि यह मिसाइल अमेरिका के किसी भी मौजूदा डिफेंस सिस्टम को आसानी से चकमा दे सकती है। यह मिसाइल अवांगार्ड जैसे हाइपरसोनिक मिसाइल को भी ले जाने में सक्षम है, जो ध्वनि की गति से 27 गुना तेज चलते हैं। परमाणु हथियारों की नई और खतरनाक होड़ रूस और अमेरिका के बीच अंतिम परमाणु हथियार समझौता इस साल फरवरी में समाप्त हो चुका है। ऐसे में दोनों देशों के पास अब परमाणु हथियारों की संख्या पर कोई कानूनी पाबंदी नहीं है। पुतिन ने इसके अलावा पोसीडॉन अंडरवाटर ड्रोन और बुरेवेस्टनिक क्रूज मिसाइल के अंतिम चरण में होने की भी घोषणा की है। पुतिन का कहना है कि यह कदम अमेरिकी मिसाइल शील्ड के जवाब में उठाए गए हैं, ताकि दुनिया में सामरिक शक्ति का संतुलन बना रहे। रूस ने सरमत मिसाइल के जरिए अपनी परमाणु सर्वोच्चता का एलान कर दिया है। यूक्रेन युद्ध के अंतिम दौर में होने के पुतिन के दावे के बीच यह घातक परीक्षण पश्चिमी देशों के लिए एक सीधा और गंभीर संदेश है।

पाकिस्तान में आधी रात को संसद भंग, पीएम की सलाह पर राष्ट्रपति ने लिया फैसला; चुनाव का रास्ता साफ

इस्लामाबाद , अपने पांच साल के कार्यकाल के पूरा होने से तीन दिन पहले, पाकिस्तान के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने संसद के निचले सदन को भंग करने की सलाह के बाद नेशनल असेंबली को भंग कर दिया। गुरुवार आधी रात से ठीक पहले प्रेसीडेंसी द्वारा जारी एक बयान में कहा गया है- राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने प्रधान मंत्री की सलाह पर अनुच्छेद 58(1) के तहत नेशनल असेंबली को भंग कर दिया है। संघीय सरकार का चुनाव करने वाली नेशनल असेंबली के विघटन से शरीफ के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार का अंत हो गया है। पाकिस्तानी संविधान के अनुसार, यदि असेंबली अपने निर्धारित समय से पहले समाप्त हो जाती है, तो आम चुनाव 90 दिनों के भीतर होंगे और यदि यह अपनी निर्धारित अवधि पूरी कर लेती है, तो चुनाव 60 दिनों के भीतर होंगे। सरकार के अंत के बाद, प्रधान मंत्री एक कार्यवाहक प्रधान मंत्री पर निर्णय लेने के लिए सदन के विपक्षी नेता के साथ चर्चा करेंगे, जो अगले आम चुनाव तक कार्यभार संभालेंगे। उसत्ता में अपने आखिरी दिन, शरीफ ने बुधवार को संघीय कैबिनेट की एक बैठक की अध्यक्षता की, संसद में विदाई भाषण दिया और विदेशी पाकिस्तानियों और इस्लामाबाद में एक 'ओलंपिक गांव' की स्थापना पर दो बैठकों की अध्यक्षता की।

संक्षिप्त समाचार

किम जोंग उन का आदेश, जंग की तैयारी करे सेना-कहा- रियल वॉर ड्रिल करें सैनिक

नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने सेना को जंग के लिए तैयारी करने को कहा है। वहीं, अपने टॉप जनरल को भी पद से हटा दिया है। कोरियाई समाचार एजेंसी के मुताबिक किम जोंग उन ने युद्ध की बढ़ती संभावनाओं के मद्देनजर सेना को मिलिट्री ड्रिल्स को बढ़ाने के भी निर्देश दिए हैं। सेना को रियल वॉर ड्रिल करने के आदेश दिए गए हैं। ये निर्देश किम जोंग उन ने 9 अगस्त को मिलिट्री कमीशन की बैठक के बाद दिए हैं। किम जोंग उन ने जनरल पाक सु इल को हटाकर री योंग गिल को नया मिलिट्री चीफ बनाया है। री योंग गिल इससे पहले देश के रक्षा मंत्री के रूप में काम कर चुके हैं। इस तस्वीर में किम जोंग खुद राइफल से फायर करते नजर आ रहे हैं। हथियारों के मास प्रोडक्शन के आदेश किम जोंग उन ने मीटिंग के दौरान सेना से कहा है कि वो अपने सभी हथियारों का मास प्रोडक्शन कराए, ताकि जंग के दौरान उन्हें कमी न हो। दरअसल, किम जोंग उन के आदेशों की एक वजह साउथ कोरिया और अमेरिका के बीच होने वाली मिलिट्री ड्रिल्स भी हैं। ये मिलिट्री ड्रिल 21 से 24 अगस्त तक चलेंगी। इन्हें लेकर नॉर्थ कोरिया चेतावनी भी दे चुका है। बैठक के दौरान किम जोंग उन ने अगले महीने 9 सितंबर को होने वाली मिलिट्री डे परेड की तैयारी को लेकर भी जरूरी निर्देश दिए हैं। किम जोंग ने आर्म्स फैक्ट्री में राइफल चलाई

नॉर्थ कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन गुरुवार से पिछले सप्ताह शनिवार तक हथियार बनाने वाली फैक्ट्रियों का दौरा किया। इनमें वो फैक्ट्री भी थी जहां क्रूज मिसाइल और एरियल वेपन बनाए जाते हैं। इस दौरान तानाशाह खुद राइफल फायर करते नजर आए। किम ने सुपर लार्ज-कैलिबर मल्टिपल रॉकेट लॉन्चर और ट्रांसपोर्टर-इरेक्टर-लॉन्चर के लिए गोले बनाने वाली फैक्ट्रियों का भी निरीक्षण किया। रिपोर्ट के मुताबिक, किम ने कहा कि युद्ध की तैयारी के लिए सबसे जरूरी छोटे हथियारों का आधुनिकीकरण है। अमेरिका ने साउथ कोरिया भेजी 2 परमाणु पनडुब्बी किम जोंग उन के सेना को हथियारों का जखीरा बढ़ाने के निर्देश देने की एक वजह साउथ कोरिया पहुंची अमेरिका की परमाणु पनडुब्बियां भी हैं। अमेरिका ने अब तक साउथ कोरिया में अपनी 2 न्यूक्लियर सबमरीन तैनात की हैं- स्स एनापोलिस और स्स केंटकी। अमेरिका ने 1983 के बाद पहली बार साउथ कोरिया में परमाणु पनडुब्बी भेजी हैं। इस पर नॉर्थ कोरिया ने कहा था कि अमेरिका की इन हरकतों से कोरिया में परमाणु जंग का खतरा बढ़ता जा रहा है।

तस्वीर साउथ कोरिया के जेजू पोर्ट पर पहुंची अमेरिकी परमाणु पनडुब्बी स्स केंटकी की है।

यौन अपराध के आरोप में गिरफ्तार ब्रिटिश सिख प्रस्तोता रिहा

लंदन , । यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार ब्रिटिश सिख शेफ और बीबीसी के पूर्व प्रस्तोता हरदीप सिंह कोहली रिहा कर दिया गया है। यह जानकारी पुलिस ने दी। 54 वर्षीयहरदीप सिंह कोहली पर 20 से अधिक महिलाओं ने हिंसक और यौन रूप से अनुचित व्यवहार का आरोप लगाया है। स्कॉटलैंड पुलिस ने एक बयान में कहा, हाल ही में यौन अपराधों के आरोप गिरफ्तार कोहली को बाद में अदालत में पेश होने के वादे पर रिहा कर दिया गया है। कोहली के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों की ताजा शिकायतें सामने आने के बाद पुलिस ने पिछले महीने जांच शुरू की। उन्होंने विकसित क्षेत्र के प्रस्ट्रेट सार्वजनिक अभियोजन कार्यालय, प्रोक्यूरेटर फिस्कल को एक रिपोर्ट सौंपी है। लेबर पार्टी की एक पूर्व अधिकारी ने आरोप लगाया था कि सोशल मीडिया पर संपर्क करने के बाद कोहली ने उन पर अवांछित यौन टिप्पणियां कीं। उसने मुझे फ़ोन किया और सेक्स के बारे में बात करने लगा। मैं उससे कहा कि मैं सहज महसूस नहीं कर रही हूं लेकिन उसने यह समझाने की कोशिश की कि मेरे साथ कुछ गड़बड़ है।

पाकिस्तान ने फिर मारी पलटी

पाकिस्तान का यू-टर्नः पहले खुद माना ईरानी विमान उसके एयरबेस में मौजूद, अब किया इनकार; अमेरिका ने उठाए सवाल

रिश्तेदार के घर डिनर करने गया परिवार, जहरीला मशरूम खाने से तीन सदस्यों की मौत

विक्टोरिया ,। आस्ट्रेलिया के विक्टोरिया राज्य में चार लोगों का एक परिवार एक रिश्तेदार के घर डिनर करने गया था, लेकिन जहरीला मशरूम खाने से उनमें से तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चौथे सदस्य की हालत गंभीर बनी हुई है। आस्ट्रेलिया पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि आखिर ऐसा क्या हुआ कि तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि चौथा अस्पताल पहुंच गया। हत्याकांड के जासूस इस मामले की जांच कर रहे हैं। पुलिस ने उस महिला से भी पूछताछ की है, जिसने 29 जुलाई को अपने घर पर खाना बनाया था, लेकिन वह खुद बीमार नहीं हुई।

जापान में तूफान खानून की चपेट में आने से 14 लोग घायल

टोक्यो , जापान के दक्षिण-पश्चिमी द्वीप क्यूशू में खानून तूफान की चपेट में आने से 14 से अधिक लोग घायल हो गये हैं। स्थानीय मीडिया ने गुरुवार को यह जानकारी दी। रिपोर्ट के अनुसार, तूफान के कारण शक्तिशाली हवाएं चलीं और भारी बारिश हुयी जिससे कम से कम 14 लोग घायल हो गए। क्यूशू के क्षेत्रों में रिकॉर्ड बारिश होने से आपदा का खतरा बढ़ गया है। भीषण उष्णकटिबंधीय तूफान के कारण क्यूशू में 12,000 से अधिक घरों में बिजली नहीं रही। क्यूशू में कई स्थानीय सरकारों द्वारा निकासी आदेश जारी किए गए हैं, जिसमें छह हजार से अधिक लोग कुमामोटो, नागासाकी, मियाज़ाकी और कागोशिमा प्रान्त में निकासी आश्रयों में शरण ले रहे हैं।

दिव्यांगों के लिए बनाए हॉलिडे होम में लगी भीषण आग, 11 लोग जिंदा जले

पेरिस ,। फ्रांस के उत्तरपूर्वी शहर विंटजेनहेम में दिव्यांगों के लिए बनाए हॉलिडे होम में आग लगने से 11 लोगों की मौत हो गई। कोलमार शहर के उप अभियोजक नथाली कीलवासेर ने गुरुवार को बताया कि दो मंजिला इमारत में भीषण आग लगने से 11 लोगों की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि भूतल पर सो रहे सभी लोग आग लगने के बाद भागने में सफल रहे और पहली मंजिल पर रहने वाले पांच लोग सुरक्षित बाहर आ गए। कुल मिलाकर 17 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। उन्होंने कहा कि संभवतः आग धीमी गति से जलने वाली लौ के कारण लगी थी और धीरे-धीरे लकड़ी के ढांचे को अपनी आगोश में ले लिया।

सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे का यूके में हुआ औपचारिक स्वागत

भारतीय सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे का गुरुवार को उनकी ब्रिटेन यात्रा की शुरुआत में लंदन में हॉर्स गार्ड्स परेड में गार्ड ऑफ ऑनर के साथ औपचारिक स्वागत किया गया। ब्रिटेन के चीफ ऑफ जनरल स्टाफ, जनरल सर पैट्रिक सैंडर्स ने जनरल पांडे का स्वागत किया। इससे पहले उन्होंने नंबर सात कंपनी कोल्डस्ट्रीम गार्ड्स द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर का निरीक्षण किया। कोल्डस्ट्रीम गार्ड्स ब्रिटिश सेना की सबसे पुरानी रेजिमेंटों में से एक है, जो अपने प्रतिष्ठित लाल रंग के अंगरखे और भालू की त्वचा वाली काली टोपी पहने हुए थे। ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय (एमओडी) ने कहा कि संगीत निदेशक कैप्टन रॉबर्ट स्मिथ द्वारा संचालित ग्रेनेडियर गार्ड्स के बैंड ने दोनों देशों के बीच सद्भाव को दर्शाने के लिए इस अवसर पर संगीत का एक विशेष कार्यक्रम पेश किया। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, एक तरफ पुराने नौवाहनविभाग, दूसरी तरफ नंबर 10 डाउनिंग स्ट्रीट और बकिंघम पैलेस के शानदार दृश्य से घिरा यह वह जगह है, जहां पर राजा जून में अपने आधिकारिक जन्मदिन पर ट्रूपिंग ऑफ द कलर समारोह के दौरान सलामी लेते हैं। बयान में कहा गया है, औपचारिक स्वागत विश्वसनीयता की निरंतरता की एक प्रभावशाली भावना है। परेड का प्रतिनिधित्व करने वाली रेजिमेंट ब्रिटिश सेना की सबसे ऐतिहासिक रेजिमेंट थी और लगभग 400 साल तक युद्ध संचालन और औपचारिक कर्तव्यों में अपनी दोहरी भूमिका की उत्कृष्टता के लिए विश्व में प्रसिद्ध है। समारोह में गार्ड्समैन सिंह भी शामिल थे, जिनका जन्म चंडीगढ़ में हुआ था और ब्रिटिश सेना के बारे में ऑनलाइन पढ़ी गई कहानियों से प्रेरित होकर कोल्डस्ट्रीम गार्ड्स में शामिल हुए थे। किंग्स गार्ड बनने के अपने सपने को पूरा करने के लिए वह 2021 में ब्रिटेन चले आए थे। ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय ने कहा, आज उन्हें नंबर सात कंपनी कोल्डस्ट्रीम गार्ड्स के सदस्य के रूप में उस भूमिका में परेड में शामिल होने का बड़ा सम्मान मिला। जैसे ही जनरल मनोज पांडे ने पंक्तिबद्ध सैनिकों का निरीक्षण किया वह गार्ड्समैन सिंह से बात करने के लिए रुके।

संपादीकय

उम्मीद पर जल्द ही पानी फिर गया

भ्रामक विज्ञापनों की रोकथाम के लिए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि प्रख्यात व सार्वजनिक हस्तियों को जिम्मेदार व्यवहार करना चाहिए। अदालत ने निर्देश दिया कि विज्ञापन जारी करने की अनुमति से पहले केबल टेलीविजन नेटवर्क नियम, 1994 के अनुसार, विज्ञापनदाताओं से स्वघोषणापत्र हासिल किया जाए। इस कानून का नियम 7 विज्ञापन संहिता का प्रावधान करता है जिसमें कहा गया है कि विज्ञापन देश के कानूनों के अनुरूप बनाए जाने चाहिए। अदालत पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड द्वारा भ्रामक विज्ञापनों से जुड़े मामले पर सुनवाई कर रही है। ये विज्ञापन निषिद्ध किए जा चुके हैं।

पीठ ने संबद्ध केंद्रीय मंत्रालयों को भी इन भ्रामक विज्ञापनों व केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण द्वारा की गई या प्रस्तावित कार्रवाई से अवगत कराने को भी कहा। प्रचार व विज्ञापन उपभोक्ता को प्रभावित करने में महती भूमिका निभाते हैं। उस पर जब यह किसी प्रख्यात या सार्वजनिक शख्सियत द्वारा किया जा रहा हो तो आम जनता को खास तौर पर प्रभावित करता है। इस मामले में तो कोविड टीकाकरण व आधुनिक चिकित्सा पण्राली को सीधा निशाना बनाया गया था जिस पर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने याचिका दायर की जिस पर सुनवाई चल रही है।

इसमें संदेह नहीं कि लाभ के लोभ में कंपनियां भ्रामक प्रचार द्वारा सालों-साल जनता को बरगलाती रहती हैं। संबंधित मंत्रालय व विभाग इनके प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने से मुंह फेर लेते हैं। निराधार दावों, अतिरंजित बातों, छद्म दावों व अनुचित सूचना वाले तथा असुरक्षित उत्पादों से उपभोक्ताओं को प्रभावित कर रहे तमाम विज्ञापन अभी भी बेधड़क प्रकाशित/प्रचारित हो रहे हैं जो बच्चों के कोमल मन को बुरी तरह प्रभावित कर रहे हैं, युवाओं को दिग्भ्रमित व बुजुगरे को भ्रमित कर रहे हैं।

नियमों की अवहेलना करते हुए नामदार शख्सियत धन के लोभ में इनका बेतहाशा प्रचार करती हैं जिनके आधार पर कहना ज्यादती नहीं होगा कि वे उपभोक्ताओं के अधिकारों को तरजीह देने को राजी नहीं। ऐसा सिर्फ इसीलिए हो रहा है क्योंकि समूची व्यवस्था अपनी जिम्मेदारियों के प्रति घोर लापरवाही बरतती है। बात अकेले पतंजलि की नहीं है। इसे उदाहरण मान कर संबंधित मंत्रालयों व विभागों को सतर्क हो जाना चाहिए। न कि एक-एक विज्ञापन को लेकर अदालतों का दरवाजा खटखटाने

देश को दुनिया में सम्मान दिलाने की क्षमता हो

चुनावी मौसम में वेद शास्त्रों और आचार्य चाणक्य के राष्ट्रपरक नीति वचन की याद आना लाजिमी है जिसमें कहा गया है कि जनता ऐसे दूरदर्शी, त्यागी, नीतिवान और चरित्रवान व्यक्ति का चुनाव करे जिसमें देश को बेहतरी की तरफ ले जाने और दुनिया में सम्मान दिलाने की क्षमता हो।एक नागरिक का कर्त्तव्य अपने देश के प्रति कैसा होना चाहिए? इस पर चाणक्य का कहना है, कर्त्तव्य को विवेक से करना नीतिवान मनुष्य का प्रथम कर्त्तव्य है। चाणक्य इसी संदर्भ में कहते हैं-भली प्रकार सोच-विचार कर या अवसर को पहचानने के बाद ही कोई निर्णय लेना चाहिए।पांच साल के बाद जनता को अवसर मिलता है कि निवर्तमान सरकार के कायरे, नीतियों और निर्णयों का बेहतर मूल्यांकन कर नई सरकार के लिए बगैर किसी लालच खूब सोच-समझ कर अपना मत दे यानी ईवीएम का बटन दबाए। तमाम तरह के सर्वे समझाने की कोशिश करते रहे हैं कि आम चुनाव में भी क्षेत्रीय मुद्दे और जात-पात की मानसिकता हावी है। हम मतदाता अपने नागरिक कर्त्तव्यों को बेहतर सोच और परिणाम के साथ निभाने में हमेशा पीछे रहते हैं, वरना क्या वजह है कि दुनिया के तमाम देशों में जहां सरकार बनाने के लिए अस्सी-नब्बे प्रतिशत मतदान होता है वहीं भारत में पचास या साठ के आसपास। ताजा सर्वेक्षण तस्दीक करते हैं कि देश की एकता, अखंडता और सुरक्षा के बनिस्बत महंगाई और बेरोजगारी को तरजीह दी जा रही है यानी आतंक, धारा 370, समान नागरिक संहिता (कानून), विदेशी घुसपैठ जैसे राष्ट्रीय सुरक्षा और अस्मिता के मुद्दे ज्यादातर लोगों के लिए अहमियत नहीं रखते यानी राष्ट्र प्रथम के ऊपर महंगाई और बेरोजगारी भारी पड़ रही है।बेहतर शासन की कवायद की जगह आरक्षण और संविधान बचाने के सब्जबाग लोगों को शायद ज्यादा अपील कर रहे हैं। ऐसा है तो भारत जैसे राष्ट्रीय गौरव-गरिमा और सांस्कृतिक चेतना की पहचान रखने वाले देश के लिए चिंता की बात मानी जाएगी क्योंकि न तो निवर्तमान सरकार आरक्षण खत्म करने जा रही है, और न संविधान ही बदला जाएगा। यह एनडीए के घोषणापत्र में प्रमुखता से उल्लेख किया गया है। राजनीति के जानकारों की मानें तो यह भी हो सकता है कि कुछ लोगों के निहित स्वार्थ केंद्र और राज्य सरकार चुनते समय राष्ट्रीय मुद्दों से दूर रखने का कार्य कर रहे हों। लोग अपने जातिगत, मजहबगत और क्षेत्रगत भावनाओं से ऊपर निकलना न चाह रहे हों यानी व्यक्तिगत निहित स्वार्थ न पूरा हो पाने के कारण बहुत छोटे-मोटे मनमुटाव मतदान से दूर हों, या गर्मी की वजह भी लोगों को मतदान करने में रुकावट पैदा कर रही हो। दरअसल, राष्ट्रवादी भावना का उद्वेग भारत में खास मौकों पर ही देखा जाता है। आजादी के बाद पिछले 76 वर्षों में राष्ट्र प्रथम के कर्त्तव्यबोध का संचार सतत राष्ट्र जागरण के तौर पर हुआ ही नहीं। जैसे दुनिया के तमाम देशों में हुआ। यही वजह है कि राष्ट्रभाषा, राष्ट्र सुरक्षा, राष्ट्र निर्माण और राष्ट्रहित पर केंद्रित चुनाव हुए ही नहीं। देश-दुनिया में जैसी भारत की साख है, उस पर केंद्रित राष्ट्रीय अस्मिता और राष्ट्र चेतना से ताल्लुक रखने वाले मुद्दे अब न नारों में सुनाई पड़ते हैं, और न दलों के चुनावी घोषणापत्रों में। हां, खुद को राष्ट्रवादी दल कहने वाले दलों के चुनावी घोषणापत्र में इस पर चर्चा जरूर शामिल है। व्यक्ति, परिवार और जाति-मजहब केंद्रित दलों की स्वार्थवादी सोच ने भारत की साख, शक्ति और अस्मिता के सवालों को कभी तवज्जो दी ही नहीं। इसका परिणाम यह हुआ कि व्यक्तिगत हितसाधन और महज आत्म-केंद्रित क्षुद्र स्वाथरे की ही पूर्ति होती रही। राष्ट्र प्रथम के बारे में सोचा ही नहीं गया। इससे आंचलिक क्षत्रपों के पारिवारिक और सामाजिक हितसाधन होते रहे, लेकिन राष्ट्र और सर्वहित हमेशा पीछे छूटता रहा।मूल्याधारित राजनीति अब बीते जमाने की बात हो चुकी है। इसलिए राजनीतिक दलों से मूल्याधारित राजनीति और बेदाग छवि वाले नेताओं के नेतृत्व की आशा भी नहीं की जा सकती। यही वजह है कि दागदार नेताओं की बड़ी तादाद भारतीय राजनीति का हिस्सा बन चुकी है, और उनके खिलाफ कोई आक्रोश कहीं दिखाई नहीं दे रहा। आज का भारतीय समाज अर्थ केंद्रित है। गुण, ज्ञान, अनुभव और प्रतिभा का मूल्यांकन अच्छी नौकरी पाने या व्यापार में खूब मुनाफा कमाने तक सीमित हो गया है। यही वजह है कि आम चुनाव में विपक्ष द्वारा बार-बार सब को नौकरी देने जैसे असंभव माने जाने वाले कार्य को हवा दी जा रही है।रेवड़ियों को बांटने और किसानों की कर्जमाफी के जो वादे किए जा रहे हैं, वे सत्ता हथियाने के हथियार ही नजर आ रहे हैं। यदि भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने की बात कही जा रही है तो उन सभी मुद्दों, समस्याओं, विसंगतियों और खामियों पर ईमानदारी से गौर करना होगा जो भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में रुकावट हैं। बढ़ती आबादी, घटते संसाधन और लोगों की अति महत्त्वाकांक्षा को पूरा करने की चुनौती केंद्र में आने वाली सरकार के सामने होगी ही। ऐसे में संकीर्ण दायरों और सोच से बाहर आना होगा। तभी भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र के रूप में दुनिया को अपनी ताकत का अहसास करा सकेगा। उम्मीद की जानी चाहिए कि सभी राजनीतिक दल राष्ट्र प्रथम की भावना से चुनाव लड़ेंगे और जीतेंगे भी।

व्यापार

मेटा में 8000 कर्मचारियों की छंटनी: एआई पर फोकस और रिकॉर्ड खर्च के बीच मार्क जुकरबर्ग का सख्त कदम

नईदिल्ली, । पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण दुनिया में भू-राजनीतिक तनाव चरम पर है। वहीं, दूसरी ओर दुनिया के टेक जगत में एआई के कारण लोगों की नौकरियां जाने का सिलसिला भी शुरू हो चुका है।फेसबुक की पेरेंट कंपनी मेटा 20 मई को अपने 8,000 कर्मचारियों की छंटनी करने जा रही है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) मार्क जुकरबर्ग अब मेटा को छोटी और एआई-संचालित टीमों के इर्द-गिर्द फिर से तैयार कर रहे हैं। हाल ही में पहली तिमाही के नतीजों के दौरान जुकरबर्ग ने स्पष्ट कर दिया है कि कंपनी केवल उन कर्मचारियों को साथ रखना चाहती है, जो अकेले ही बड़े प्रोजेक्ट्स को संभालने की क्षमता रखते हैं।

एआई के कारण बदल रहा है कंपनी का ढांचा

जुकरबर्ग का मानना है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) उपकरणों की मदद से अब एक या दो लोग एक हफ्ते में वह काम कर रहे हैं, जिसे पूरा करने में पहले दर्जनों इंजीनियरों को महीनों लग जाते थे। इसी बदलाव को देखते हुए कंपनी अपनी टीमों को छोटा और अधिक उत्पादक बना रही है। जुकरबर्ग के अनुसार, यह फैसला केवल लागत कम करने के लिए नहीं, बल्कि मेटा को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करने का एक संरचनात्मक विकल्प है। कंपनी में अब अल्ट्राफ्लैट ढांचा लागू किया जा रहा है, जहां 50 इंजीनियरों पर केवल एक मैनेजर काम कर रहा है।

बुनियादी ढांचे पर रिकॉर्ड निवेश और शेयर बाजार की प्रतिक्रिया

मेटा इस साल अपने बुनियादी ढांचे, विशेषकर डेटा सेंटर, कस्टम चिप्स और एआई मॉडल ट्रेनिंग पर 125 से 145 अरब डॉलर का रिकॉर्ड पूंजीगत खर्च कर रही है। कंपनी की मुख्य वित्तीय अधिकारी सुसान ली ने स्पष्ट किया है कि बुनियादी ढांचे पर खर्च पिछले साल के मुकाबले लगभग दोगुना हो गया है, जिसके कारण कर्मचारियों के वेतन और कंपनी के बजट के बीच असंतुलन पैदा हुआ है। इसी असंतुलन को पाटने के लिए 20 मई की छंटनी का फैसला लिया गया है। सुसान ली ने यह भी माना कि एआई की तेजी से बदलती क्षमताओं के बीच मेटा का आदर्श आकार क्या होना चाहिए, इसका अब कोई स्पष्ट जवाब नहीं है। इस भारी खर्च और अनिश्चितता के कारण निवेशकों में भी चिंता देखी गई, जिसके चलते अर्निंग कॉल के बाद मेटा के शेयरों में 6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

कर्मचारियों का घटता मनोबल और एआई की निगरानी

एक तरफ जहां उद्योग जगत में यह बहस तेज है कि एआई इंसानों की जगह ले रहा है, वहीं जुकरबर्ग का तर्क है कि यह तकनीक कर्मचारियों की क्षमता को बढ़ाएगी, न कि उन्हें खत्म करेगी। हालांकि, कंपनी के भीतर का माहौल कुछ और ही बयां कर रहा है। मेटा ने 'मॉडल कैपेबिलिटी इनिशिएटिव' नामक एक आंतरिक ट्रैकिंग टूल लागू किया है, ।

तिमाही नतीजे, पीएमआई डेटा के साथ यह फैक्टर्स बाजार के लिए होंगे अहम

मुंबई, । भारतीय शेयर बाजार के लिए बीता कारोबारी हफ्ता काफी शानदार रहा। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के मुख्य सूचकांक निफ्टी ने 24,861 का नया ऑल-टाइम हाई बनाया।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का मुख्य सूचकांक सेंसेक्स भी अपने ऑल-टाइम हाई के करीब बंद हुआ। बीते हफ्ते निफ्टी ने 1.24 प्रतिशत और सेंसेक्स ने 0.90 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। यह लगातार आठवां कारोबारी हफ्ता था, जब बाजार सकारात्मक हुआ है।आने वाले हफ्ते में शेयर बाजार में कारोबार कई घरेलू और विदेशी फैक्टर्स पर निर्भर करेगा। घरेलू स्तर पर देखा जाए तो वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही के नतीजे, इन्फ्रास्ट्रक्चर आउटपुट और मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई के आंकड़े आएंगे।वहीं, एक अगस्त से ऑटोमोबाइल सेल्स के आंकड़े आने शुरू हो जाएंगे, जिसका असर शेयर बाजार पर देखने को मिल सकता है। इसके विदेशी निवेशकों और घरेलू निवेशकों की गतिविधियों से भी बाजार की दिशा तय होगी। वैश्विक स्तर पर, अमेरिकी फेड की मीटिंग गुरुवार को होगी।

इसमें ब्याज दरों को 5.25 प्रतिशत से लेकर 5.50 प्रतिशत पर बरकरार रखा जा सकता है। वहीं, ब्याज दरों को लेकर बैंक ऑफ जापान की बुधवार को बैठक है। जून में बैंक ऑफ जापान ने ब्याज दरों को 0 से 0.1 प्रतिशत पर बरकरार रखा था।

मास्टर कैपिटल सर्विसेज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अरविंदर सिंह नंदा का कहना है कि निफ्टी के लिए 25,000 फिलहाल एक बड़ा

एफपीआई ने अबतक शेयरों में 33,600 करोड़ रुपये डाले

नईदिल्ली, नीतिगत सुधार जारी रहने की उम्मीद, सतत आर्थिक वृद्धि और कंपनियों के उम्मीद से बेहतर तिमाही नतीजों के बीच विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने अबतक भारतीय शेयर बाजार में 33,600 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया है। हालांकि, सरकार द्वारा बजट में वायदा और विकल्प व्यापार (एफएंडओ) और इक्विटी निवेश से पूंजीगत लाभ पर कर में बढ़ोतरी के बाद एफपीआई ने पिछले तीन कारोबारी सत्रों (24-26 जुलाई) में शेयरों से 7,200 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की है। विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय शेयर बाजार इस साल विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए अच्छी स्थिति में है। हालांकि, कुछ घटनाक्रमों की वजह से मासिक आधार पर इनमें कुछ उतार-चढ़ाव रह सकता है। बजाज फिनसर्व एएमसी के सीआईओ निमेश चंदन ने कहा, भारतीय शेयर बाजार और ऋण या बॉन्ड बाजार इस वर्ष अनुकूल स्थिति में हैं। इससे देश में विदेशी प्रवाह आकर्षित होना चाहिए। हालांकि, माह-दर-माह आधार पर इसमें कुछ उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने (26 जुलाई तक) शेयरों में शुद्ध रूप से 33,688 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इससे पहले जून में शेयरों में 26,565 करोड़ रुपये का निवेश आया था।एफपीआई ने चुनावी नतीजों को लेकर असमंजस के बीच मई में शेयरों से 25,586 करोड़ रुपये निकाले थे। मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिकी में बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी की चिंताओं के कारण अप्रैल में एफपीआई ने शेयरों से 8,700 करोड़ रुपये से अधिक की निकासी की थी। मॉर्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के एसोसिएट निदेशक प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा, आर्थिक रूप से भारत मजबूत स्थिति में है। इसके अलावा कंपनियों के तिमाही नतीजे उम्मीद से बेहतर रहे है। इससे कॉरपोरेट जगत का बही-खाता सुधरा है। उन्होंने कहा, इसके अलावा, सितंबर में अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में कटौती की उम्मीद बढ़ी है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और एशियाई विकास बैंक (एडीबी) द्वारा भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के अनुमान में बढ़ोतरी की वजह से भी एफपीआई निवेश बढ़ेगा। आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने समीक्षाधीन अवधि में शेयरों के अलावा ऋण या बॉन्ड बाजार में 19,223 करोड़ रुपये डाले हैं।

29-31 जुलाई तक नहीं चलेंगी कई ट्रेनें

नईदिल्ली, । अगर आप ट्रेन से यात्रा करते हैं या आने वाले एक दो दिन में ट्रेन से कहीं जाने वाले हैं तो ये खबर आपके लिए हैं. क्योंकि रेलवे में आने वाले तीन दिनों तक कई ट्रेनों को रद्द कर दिया है. जिसके चलते आपको परेशानी का सामना करना पड़ सकता है. दरअसल, मध्य रेलवे ने पुणे डिवीजन के दौंड में नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के चलते तीन दिवसीय ब्लॉक का ऐलान किया है. जिसके चलते 29 से 31 जुलाई (सोमवार से बुधवार) तक कई ट्रेन पर इसका असर पड़ेगा. रेलवे ने 29 जुलाई को 15 ट्रेनें, 30 जुलाई को 23 ट्रेनें और 31 जुलाई को 24 ट्रेनों को रद्द किया है.

इनके अलावा कई अन्य ट्रेनों को डायवर्ट कर चलाया जाएगा. जिन ट्रैक पर ट्रेनों का आवागमन प्रभावित होगा उनमें पुणे-मिराज-कुर्दुवाड़ी, गुंतकल-बेलारी-हुबली-मिराज-पुणे और मनमाड-इगतपुरी-कल्याण-पनवेल-कर्जत-पुणे-मिराज शामिल हैं. ब्लॉक के चलते कई ट्रेनों के रूट को भी कम किया गया है.

कल यानी सोमवार (29 जुलाई) को ट्रेन संख्या 12169/12170 पुणे-सोलापुर-पुणे एक्सप्रेस, 17613 पनवेल-हजूर साहिब नांदेड़ एक्सप्रेस, 11409 दौंड-निजामाबाद डीएमयू, 12025/12026 पुणे-सिकंदराबाद-पुणे शताब्दी एक्सप्रेस, 01532 बारामती-दौंड डीएमयू,, 17614 हजूर साहिब नांदेड़-पनवेल एक्सप्रेस, 01527 दौंड-बारामती डीएमयू, 11418 सोलापुर-पुणे एक्सप्रेस, 01511 /01512 पुणे-बारामती-पुणे डीएमयू, 01529/01530 पुणे-दौंड-पुणे डीएमयू, 01487/01488 पुणे-हरंगुल-पुणे एक्सप्रेस, 01525 पुणे-दौंड मेमू पैसेंजर, 01461/01462 सोलापुर-दौंड-सोलापुर डीएमयू, 01528 बारामती-पुणे डीएमयू, 01533 पुणे और दौंड डीएमयू ट्रेनें रद्द रहेंगी.

जबकि मंगलवार यानी 30 जुलाई को गाड़ी संख्या 01521 पुणे-दौंड डीएमयू, 01523 दौंड-बारामती डीएमयू, 17614 हजूर साहिब नांदेड़-पनवेल एक्सप्रेस, 17613 पनवेल-हजूर साहिब नांदेड़ एक्सप्रेस, 11422 सोलापुर-पुणे डीएमयू, 11421 हडपसर-सोलापुर डीएमयू, 01528 बारामती-पुणे डीएमयू, 12169/12170 पुणे-सोलापुर -पुणे एक्सप्रेस, 01527 दौंड-बारामती डीएमयू, 01487/01488 पुणे-हरंगुल-पुणे स्पेशल, 11406 अमरावती-पुणे, 11409 दौंड-निजामाबाद डीएमयू, 11418 सोलापुर-पुणे एक्सप्रेस, 01522 हडपसर-दौंड डीएमयू, 01526 बारामती-पुणे डीएमयू, 01511 पुणे-बारामती डीएमयू , 1417 पुणे-सोलापुर एक्सप्रेस, 01525 पुणे-दौंड मेमू पैसेंजर, 01512 बारामती-दौंड डीएमयू, 01529/01530 पुणे-दौंड-पुणे, 01462/01461 दौंड-सोलापुर-दौंड डीएमयू, 01533 पुणे-दौंड डीएमयू और 01532 बारामती-दौंड डीएमयू शामिल है.

वहीं बुधवार यानी 31 जुलाई को भी कई ट्रेनें रद्द रहेंगी. इनमें 01525 पुणे-दौंड मेमू पैसेंजर, 01522 हडपसर-दौंड डीएमयू, 01511 पुणे-बारामती डीएमयू, 11422 सोलापुर-पुणे डीएमयू, 12169/12170 पुणे-सोलापुर -पुणे एक्सप्रेस, 01512 बारामती-दौंड डीएमयू, 17614 हजूर साहिब नांदेड़-पनवेल एक्सप्रेस, 17613 पनवेल-हजूर साहिब नांदेड़ एक्सप्रेस, 11421 हडपसर-सोलापुर डीएमयू, 01487/01488 पुणे-हरंगुल-पुणे स्पेशल, 11406 अमरावती-पुणे, 11409 दौंड-निजामाबाद डीएमयू, 01533 पुणे-दौंड डीएमयू , 11418 सोलापुर-पुणे एक्सप्रेस, 01521 पुणे-दौंड डीएमयू, 11417 पुणे-सोलापुर एक्सप्रेस, 01523 दौंड-बारामती डीएमयू, 01526 बारामती-पुणे डीएमयू, 01527 दौंड-बारामती डीएमयू, 01529/01530 पुणे-दौंड-पुणे, 01528 बारामती-पुणे डीएमयू, 01462/01461 दौंड-सोलापुर-दौंड डीएमयू और 01532 बारामती-दौंड डीएमयू ट्रेन शामिल है.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को मुंगवानी में 1835 करोड़ रुपये से अधिक राशि का करेंगे अंतरण

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बुधवार 13 मई को नरसिंहपुर जिले के मुंगवानी में 'मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना' की 36वीं किश्त जारी करेंगे। प्रदेश की 1 करोड़ 25 लाख 22 हजार 542 लाड़ली बहनों के बैंक खातों में 1,835 करोड़ 67 लाख 29 हजार 250 रूपये की राशि सिंगल क्लिक से अंतरित की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव कार्यक्रम में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन भी करेंगे।

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना महिलाओं के जीवन में आर्थिक सुरक्षा, आत्मविश्वास और सम्मान का आधार बन चुकी है। नियमित आर्थिक सहायता से महिलाओं की परिवार के निर्णयों में भागीदारी बढ़ी है, पोषण एवं स्वास्थ्य स्तर में सुधार हुआ है और ग्रामीण तथा शहरी दोनों क्षेत्रों में महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है।

करोड़ों महिलाओं के जीवन में आया सकारात्मक परिवर्तन

मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना ने मध्यप्रदेश में महिला कल्याण के क्षेत्र में एक नई मिसाल स्थापित की है। यह केवल आर्थिक सहायता योजना नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन का प्रभावी माध्यम बन गई है। योजना से प्रदेश की महिलाओं के जीवन में व्यापक और सकरात्मक परिवर्तन आए है। नियमित आर्थिक सहायता ने महिलाओं को घरेलू खर्चों के प्रबंधन ने अधिक आत्मनिर्भर बनाया है, जिससे वे अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के साथ बच्चों के पोषण, शिक्षा और स्वास्थ्य पर अधिक प्रभावी ढंग से खर्च कर पा रही है। योजना से प्राप्त राशि ने अनेक महिलाओं को स्व-सहायता समूहों, लघु उद्योगों और स्व-रोजगार गतिविधियों से जुड़ने के लिये प्रेरित किया है। इससे उनकी आय के अतिरिक्त स्त्रोत विकसित हुए है। आर्थिक रूप से सशक्त होने के साथ महिलाओं के परिवार के महत्वपूर्ण निर्णयों में भागीदारी बढ़ी है और उनकी राय को अधिक महत्व मिलने लगा है। बैंक खातों में सीधे राशि अंतरण की व्यवस्था ने महिलाओं को औपचारिक बैंकिग और वित्तीय सेवाओं से जोड़ा है। इससे बहनों में वित्तीय साक्षरता और आर्थिक आत्मविश्वास में वृद्धि हुई है।

आरोपी का मेडिकल रिपोर्ट साथ लेकर नहीं आई पुलिस तो जेलर ने लौटाया

इंदौर। जिला जेले से घायल हालत में लाए गए एक आरोपी को जेलर द्वारा वापस लौटा दिए जाने का मामला सामने आया है। उसके कमर में फ्रेक्चर था लेकिन पुलिस उसकी मेडिकल रिपोर्ट साथ नहीं लाई थी। इस पर जेलर ने मेडिकल सर्टिफिकेट मांगा तो पुलिस निरुत्तर हो गई और आरोपी को वापस ले गई। इसके बाद दूसरे दिन सुबह आरोपी को एमवाय अस्पताल में चेकअप कराने फिर पहुंची। मेडिकल टेस्ट देखने के बाद उसे जेल में अंदर कर लिया गया। इससे पहले, जेल के डॉक्टरों ने क्रॉस परीक्षण भी कराया गया। मारपीट और अवैध वसूली के इस आरोपी ने गत दिवस कोर्ट में सरेंडर किया था। ग्वालटोली पुलिस के मुताबिक 19 वर्षीय आरोपी का नाम मुल्तजिम पुत्र शहजाद रशीद निवासी बांदा कंपाउंड है। वह मारपीट और अवैध वसूली के मामले में जून से ही फरार था। पुलिस की सख्ती से बचने के लिए उसने गत दिवस कोर्ट में सरेंडर किया था। इसी बीच कोर्ट ने पुलिस उसे थाने लाई थी। प्रारंभिक जांच के बाद उसे कोर्ट के आदेश पर जिला जेल भेजा गया था। आरोपी मुल्तजिम के पिता शहजाद पर भ्ज्ञी पहले से अपराध दर्ज हैं। उसकी पहले गिरफ्तारी खंडवा से हुई थी जबकि आरोपी बेटा मुल्तजिम फरार चल रहा था।

22 को तय होगा भूमाफियाओं की जारी रहेगी बेल या होगी जेल

इंदौर, । कालिंदी गोल्ड सैटेलाइट हिल्स व फिनिक्स टाउनशिप के भूमाफियाओं द्वारा की गई जमीन धोखाधड़ी से परेशान पीड़ितों की शिकायतों के निराकरण के लिए हाई कोर्ट इंदोर द्वारा गठित हाई पावर कमेटी तीन दिन बाद रिपोर्ट पेश करेगी। अंतिम सुनवाई 22 अगस्त को होगी, जिसमें तय हो सकता है कि भूमाफियाओं की बेल जारी रहेगी या जामानत निरस्त कर जेल भेज दिया जाएगा। गत दिवस हाईकोर्ट इंदौर में जस्टिस सुबोध अभ्यंकर की एकलपीट में हुई सुनवाई में शासकीय अधिवक्ता विशाल सनोठिया ने हाई पावर कमेटी की पूरी रिपोर्ट तैयार करने और अपर कलेक्टर डॉ. अभय बेडेकर की जगह नए अपर कलेक्टर रोशन राय की नियुक्ति को लेकर तीन दिन का समय मांगा। सनोठिया ने अदालत को अवगत कराया कि कॉलोनियों से संबंधित कुछ रिकार्ड अभी आना है। इस पर कोर्ट ने तीन दिन बाद रिपोर्ट पेश करने को कहा और 22 अगस्त को अंतिम सुनवाई के लिए तय कर दी। शासकीय अधिवक्ता विशाल सनोठिया के मुताबिक तीन दिन बाद कमेटी हाईकोर्ट में रिपोर्ट पेश कर उसकी प्रतिलिपि सरकारी अधिवक्ता व सभी पक्षकारों को सौंप देगी ताकि 22 अगस्त को अंतिम सुनवाई में बहस की जा सके।

संक्षिप्त समाचार

अशरफ नगर के रास्ते वैध होने लगी मद्दा की हिना पैलेस

इंदौर, । गृह निर्माण संस्थाओं की जमीनें खुर्द-बुर्द करने वाला दीपक जैन मद्दा भले ही जेल में है लेकिन हो वही रहा है जो वह चाहता है। इसका उदाहरण है खजराना गणेश मंदिर के सामने पड़ी श्रीराम संस्था व उसके नाम से खरीदी गई जमीन। जहां हिना पैलेस के नाम पर जमीन को वैध कराने की मद्दा ने जितनी कोशिश की, नाकाम रही। अब यही काम जिला प्रशासन कर रह है। अशरफ नगर के नियमतीकरण के नाम पर एसडीएम जूनी इंदौर घनश्याम धनगर ने गत दिवस चार कॉलोनियों के नियमतीकरण की प्रक्रिया शुर की। इसमें अशरफनगर भीशामिल है। जहां दीपक की अवैध कॉलोनी हिना पैलेस थी, जिस पर पूर्व कलेक्टर मनीष सिंह के निर्देश पर बुलडोजर चला था। इससे पहे दीपक ने फर्जी तरीके से इसी हिना पैलेस का नियमितीकरण करा लिया था। जो लोकायुक्त जांच और हाईकोर्ट के ऑर्डर के बाद अवैध हो गई। कॉलोनी में एक भी मकान नहीं बना है। सितम्बर 2022 में मनीष सिंह ने एक आदेश जारी किया था। जिसके अनुसार हिना पैलेस के नाम पर खुली पड़ी श्रीराम गृह निर्माण संस्था की जमीन को शहरी सीलिंग एक्ट में धारा 20 से मिली छूट की शर्तों का उल्लंघन और बंदरबांट के बाद सरकारी घोषित करने की प्रक्रिया शुरु कर दी थी। भाजपा नेता नासिर शाह ने बताया कि हिना पैलेस (एक) पूर्व पार्षद के करीबियों ने काटी थी। हिना पैलेस (दो) में श्रीराम और दिलीप सिसौदिया उर्फ दीपक के नाम की खरीदी जमीन थी। अशरफनगर लगभग 20 साल पुरानी कॉलोनी है। जिसकी एंट्री हिना पैलेस-एक से है। इसका हिना पैलेस-दो से कोई लेना-देना नहीं है। न ही अशरफनगर का श्रीराम गृह निर्माण संस्था की जमीन से लेनादेना नहीं है। इसे नाजायज रूप से अशरफनगर के नाम पर वैद्य किया जा रहा है।

नाबालिग के अपहरण व दुष्कर्म के आरोपी को 20 वर्ष की कैद

इंदौर, । जिला कोर्ट ने नाबालिग बालिका का अपकरण कर दुष्कृत्य करने वाले आरोपी को 20 वर्ष की कैद की सजा सुनाई। गत दिवस विशेष अपर सत्र नयायाधीश सुरेखा मिश्रा ने फैसला सुनाते हुए आरोपी विकास निवासी ग्राम कछालिया थानाचंद्रावतीगंज, सांवेर (इंदौर) को जेल भेज दिया। कोर्ट ने आरोपी को पॉक्सो एक्ट में 20 वर्ष की कैद, अपहरण के आरोप में सात वर्श की कैद व चार हजार रुपए अर्थदंड से दण्डित किया। प्रकरण में अभियोजन की ओर से पैरवी विशेष लोक अभियोजक सुशीला राठौर ने की। कोर्ट ने पीड़िता को 50 हजाररुपए प्रतिकर राशि दिलाने की अनुशंसा भी की। अभियोजन के अनुसार पीड़ित बालिका के चचेरे भाई ने थाना में रिपोर्ट लिखाई की बालिका (17 वर्षीय) गत दिन दिसम्बर 2020 को जब यह अपनी पत्नी व बच्चों को लेकर शादी में देपालपुर गया तब वह घर पर थी।

वह रात्रि करीब 8॰45 बजे वापस

पत्नी को निकाला और जान से मारने की धमकी दी, दो अलग अलग मामले में दहेज प्रताडना का केस दर्ज, जांच शुरु

भाजपा नेताओं की बैठक में दिखी हार्डिया से नाराजगी इंदौर,10 अगस्त (आरएनएस)। विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही इंदौर में भी राजनीतिक उठापटक चालू हो गई है। टिकट के दावेदार कई नेताओं ने जहां अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश शुरु कर दी है, वहीं कई वर्तमान विधायकों के खिलाफ नाराजगी भी खुलकर सामने आने लगी है। पांच नंबर विधानसभा क्षेत्र के 35 से ज्यादा भाजपा नेता एक होटल में एकत्र हुए। बैठक में क्षेत्रीय विधायक महेंद्र हार्डिया तो मौजूद नहीं थे, लेकिन बैठक उनकी दावेदारी पर केंद्रित रही। बैठक में शामिल नेताओं का दर्द था कि कांग्रेस पांच नम्बर विधानसभा को कमजोर प्रचारित कर रही है और विधायक महेंद्र हार्डिया जवाब भी नहीं दे पा रहे हैं। बैठक में ज्यादातर वे नेता शामिल थे, जो आमतौर पर विधायक हार्डिया से दूरी बनाकर चलते हैं, हालांकि बैठक बुलाने के फैसले पर वे संगठन से डरे-डरे भी नजर आए। बैठक की शुरुआत में संगठन का गीत गाया गया। वार्ड प्रभारी संजय इंगले ने बैठक का विषय पूछा तो इस पर पूर्व पार्षद दिलीप शर्मा और मुकेश सिंह राजावत ने कहा कि पहले भाजपा तगड़ी लीड से चुनाव जीतती थी। पिछली बार लीड कम हुई। हम संगठन के सिपाही हैं। बहुत कम समय बचा है, हमें इस बार ज्यादा मेहनत करना होगी। पार्टी मजबूत रहेगी, तभी हमारा वजूद रहेगा। एक नेता ने कहा कि जितने नेता यहां हैं। उनमें से टिकट के लिए एक का नाम तय कर संगठन को बता दो। बैठक में खुलकर तो

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री श्री चैतन्?य काश ?यप ने कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष ?ट्रीय कन्?वेंशन सेंटर में दीप प्रज्?जवलित कर इंडो-फ्रेंच कॉन्?क ?लेव का शुभारंभ किया।

जेल में बंद कुख्यात बदमाश वीडियो में व्यापारी को दे रहा था धमकी

इंदौर, । आजाद नगर में स्थित जिला जेल में बंद कुख्यात बदमाश इम्मू का एक वीडियो सामने आया है। सोशल मीडिया पर गत दिवस उसके साथ बदमाश शाहरुख ने यह वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर अपलोड किया है। वीडियो में बदमाश चंदन नगर के दावा व्यापारी को नशे से जुड़ी एक टैबलेट नहीं देने पर धमका देने की बात कर रहा है। वीडियो जेल में उस जगह बनाया गया है, जहां मोबाइल ले जाना पूरी तरह से प्रतिबंधित है। शाहरुख जिला जेल के बाहर से भी वीडियो बनाकर एमआईजी-खजराना इलाके के बदमाशें के जल्द छूट कर आने की दुआ मांगता भी दिखाई दे रहा है। वह एमआईजी इलाके के कुख्यात बदमाश इम्मू महाराज।

40 लाख से अधिक की ब्राउन शुगर पकड़ी, बदमाशों की सरगना है महिला

इंदौर,। राजस्थान से ब्राउन शुगर लाकर इंदौर में इसका व्यवसाय करने वाली भाई-बहन की एक जोड़ी को इंदौर क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से 40 लाख रुपये कीमत की ब्राउन शुगर बरामद की है। इंदौर में फैले इनके नेटवर्क को लेकर क्राइम ब्रांच लगातार इन आरोपितों से पूछताछ कर रही है। क्राइम ब्रांच डीसीपी निमिष अग्रवाल ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर इंदौर में ब्राउन शुगर का व्यापार करने वाले दो लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें एक महिला आरोपी भी शामिल है। जो पकड़े गए बदमाशों की सरगना है। वहीं बताया जा रहा है।

कक्षा नौ की छात्रा को अगवा कर दुष्कर्म की कोशिश, आरोपी दबोचा

मेरठ । मेरठ के खरखौदा के एक विद्यालय से छुट्टी के बाद पैदल घर लौट रही कक्षा नौ की छात्रा को अगवा कर एक युवक जंगल में ले गया। यहां दुष्कर्म की कोशिश की। छात्रा के शोर मचाने पर ग्रामीणों ने आरोपी को दबोच लिया। जमकर पिटाई करने के बाद उसे पुलिस को सौंप दिया गया। पीटने से युवक की हालत भी गंभीर हो गई। उसे सीएचसी से मेडिकल रेफ्र किया गया। छात्रा के पिता ने आरोपी के खिलाफ थाने में तहरीर दी है। थाने में दी गई तहरीर के मुताबिक छात्रा के पिता ने बताया कि उनकी 1× वर्षीय बेटी गांव से रोजाना पैदल स्कूल जाती है।

ससुर लूटता रहा बहू की आबरू, मुंह खोलने पर दी जान से मारने की धमकी, आपबीती सुन उड़े अफ्सरों के होश

मेरठ । मेरठ जनपद में थाना कंकरखेड़ा क्षेत्र के एक गांव में ससुर ने मानवता को शर्मसार करने वाला काम किया। दरअसल, आरोपी ससुर ने अपनी बहू के साथ लगभग एक माह तक दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। पुलिस व परिजनों को सूचना देने पर जान से मारने की धमकी भी दी थी। वहीं, बुधवार को पीड़िता अपने परिजनों संग थाने पहुंचीं और आरोपी ससुर के खिलाफ तहरीर देते हुए मुकदमा दर्ज कराया। आरोपी ससुर पुलिस हिरासत में है। बुलंदशहर के स्याना निवासी एक व्यक्ति ने बुधवार को थाने में तहरीर देते हुए बताया कि उसने अपनी बेटी की शादी लगभग दो साल पूर्व शोभापुर गांव निवासी निशांत पुत्र जबर सिंह के साथ की थी। शादी के दो साल के बाद भी दंपती के कोई ब'चा नहीं हुआ था। वहीं, आरोपी ससुर अपनी बहू पर गलत नियत रखता था। आरोप है कि लगभग एक महीना पूर्व घर के सभी सदस्य किसी काम से बाहर गए हुए थे। घर पर आरोपी ससुर व विवाहिता मौजूद थी। आरोपी ने मौका पाकर विवाहिता के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। वहीं, घटना की जानकारी पति व अन्य को देने पर जान से मारने की धमकी दी जिसके बाद आरोपी ससुर ने लगभग एक माह तक विवाहिता के साथ दुष्कर्म किया। दो दिन पूर्व विवाहिता ने अपनी भाभी को फोन कर मामले की जानकारी दी। विवाहिता की बात सुनकर परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई।

तोमर व सिंधिया ने दिया जीत का मंत्र बूथ मैनेजमेंट व अभियानों पर फोकस

ग्वालियर,06 अगस्त। भाजपा की संभागीय बैठक शनिवार को झांसी रोड स्थित एंपायर रिसोर्ट में हुई। बैठक में प्रदेश चुनाव प्रभारी केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नरेंद्र सिंह तोमर व केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने एकजुटा का संदेश देते हुए हर बूथ मैनेजमेंट का कार्य करने के साथ जीत का मंत्र दिया। ग्वालियर प्रदेश कार्यसमिति की बैठक में भाजपा के शीर्ष रणनीतिकार गृहमंत्री अमित शाह की इसी माह के आखिरी सप्ताह या सितम्बर माह में संभावित दौरा है।

मेरठ में दिनदहाड़े वारदात: घर के बेडरूम में घुसकर दंपती पर बरसाईं ताबड़तोड़ गोलियां, व्यापारी की मौत

मेरठ । मेरठ में गुरुवार सुबह एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया गया। यहां ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र में घर में घुसकर दंपती पर बदमाशों ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। हमले में व्यापारी पति की मौत हो गई है। सूचना पर ब्रह्मपुरी थाना पुलिस समेत कई थानों का फोर्स मौके पर पहुंचा है। बताया गया कि ब्रह्मपुरी निवासी मृतक धन कुमार जैन (70) अपनी पत्नी अंजू जैन के साथ गुरुवार सुबह के समय परिवार सहित रहते हैं। यहां गुरवार सुबह बदमाशों ने उन पर घर में घुसकर गोलियां बरसा दीं। हमले में पति-पत्नी घायल होकर जमीन पर गिर पड़े। घटना से क्षेत्र में अफ्रा तफ्री मच गई। वहीं वारदात को अंजाम देकर आरोपी फ्रार हो गए। बताया गया कि व्यापारी धन कुमार की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनकी पत्नी गंभीर रूप से घायल हुई हैं। उनका अस्पताल में उपचार चल रहा है। एसएसपी रोहित सिंह सजवाण भी मौके पर पहुंचे हैं। ब्रह्मपुरी थानाक्षेत्र निवासी धनकुमार जैन अपने दो बेटों के साथ रहते हैं। उनका बड़ा बेटा नवीन और उसकी पत्नी बेटे को प्रतिदिन स्कूल छोडऩे के लिए जाते हैं जहां से वह कंपनी बाग में टहलने के लिए निकल जाते हैं। गुरुवार को भी नवीन बेटे को स्कूल छोडऩे के लिए निकले थे। दूसरा बेटा घर पर ही था। इसी दौरान बाइक सवार बदमाश घर में घुस गए और छोटे बेटे को एक कमरे में बंधक बना लिया। इसके बाद बदमाश दूसरे कमरे में पहुंचे जहां धनकुमार जैन पत्नी के अंजू जैन के साथ मौजूद थे। बदमाशों ने घर में लूटपाट की कोशिश की। वारदात का विरोध करने पर बदमाशों ने उन पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसा दीं। चीख पुकार व गोलियों की आवाज सुनकर दूसरे कमरे से पोती आशिमा बाहर आई तो बदमाशों ने उसे भी गनप्वाइंट पर लेकर बंधक बना लिया। इसके बाद बदमाश लूटपाट कर फ्रार हो गए। वहीं बदमाशों के जाने के बाद पोती ने खुद को जैसे-तैसे बंधनमुक्त कर पिता नवीन को सूचित किया। नवीन तुरंत पुलिस को सूचित कर मौके पर पहुंचे और घायल मां को अस्पताल पहुंचाया जबकि पिता धनसिंह की मौत हो चुकी थी। इसके बाद दूसरे बेटे को भी कमरे से बंधनमुक्त कराया गया। बताया गया कि बदमाशों ने हेलमेट पहने थे। बदमाश घर में तकरीबन एक घंटा रहे। पड़ोसियों का कहना है कि इस दौरान दूध वाला भी घर में आया था, लेकिन उसे वारदात के बारे में जानकारी है या नहीं यह नहीं कहा जा सकता है। पुलिस फ्लिहाल मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल में जुटी है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। गौरीपुरा पुलिस चौकी के पीछे धनकुमार जैन का मकान है। 70 वर्षीय धनकुमार जैन व्यापारी है। गुरुवार की सुबह आठ बजे उनके घर के अंदर बदमाशों ने धावा बोल दिया। धनकुमार जैन ने लूटपाट का विरोध किया, जबकि अन्य सदस्यों को बदमाशों ने घर के अंदर कमरे में बंद कर दिया था। विरोध करने पर बदमाशों ने धनकुमार जैन के सीने में गोली मार दी। उसके बाद पत्नी अंजू जैन ने बदमाशों को पकडऩे का प्रयास किया। बदमाशों ने अंजू को भी गोली मार दी। उसके बाद बदमाश मौके से फ्रार हो गए। हमलावर आस पास लगे सीसीटीवी कैमरे में हुए कैद घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंचे कई थानों की फोर्स एसओजी टीम फॉरेंसिंग टीम पुलिस आईजी भी पहुंचे घटना की जानकारी प्राप्त की गई है । बदमाश यहां कैसे आए यह अभी पता नहीं चल सका है। बदमाशों ने लूटपाट भी है। बदमाश तकरीन एक घंटा घर के भीतर रहे और वारदात को अंजाम दिया। जिस वक्त घटना हुई उस वक्त घर पर व्यापारी का छोटा बेटा, पोती और दंपती ही थे।

सांध्यदैनिकों के लिए कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न रोकने राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की पहल

हाई कोर्ट के जस्टिस श्री गौतम भादुड़ी, कार्यपालक अध्यक्ष छ.ग. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (सालसा) बिलासपुर के द्वारा कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न की घटनाओं की रोकथाम हेतु सभी जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों को आवश्यक निर्देश जारी किये गए हैं। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव श्री आनंद प्रकाश वारियाल ने बताया कि कार्यपालक अध्यक्ष के निर्देशानुसार सालसा द्वारा इस संबंध में एक उपयुक्त प्रशिक्षण मॉडयूल एवं एसओपी तैयार कर सभी जिला न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरणों को इस निर्देश के साथ प्रसारित किया गया है कि वे अपने जिला मुख्यालय एवं तहसील स्तर पर इस संबंध में कार्यशाला एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करें जिसमें संबंधित नियमों के बारे मे आवश्यक जानकारी प्रदान की जावेगी। जिससे कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की घटनाओं को रोका जा सके और महिला कर्मचारी भयमुक्त होकर एवं सम्मानपूर्वक अपना कार्य कर सके। उपरोक्त कार्यशाला एवं जागरूकता कार्यक्रम में सभी शासकीय, अर्द्धशासकीय एवं अशासकीय कार्यालय के प्रमुख एवं अन्य स्टेकहोल्डर्स को शामिल किया जावेगा।

भाजपा ने प्रवीण कक्कड़ के यहां छापा मारा था लेकिन छापे में मिली राशि से ज्यादा शिवराज सरकार के अधिकारियों ने उन्हें विद्युत मण्डल और मण्डी बोर्ड से कमाकर दिया

भोपाल, । भाजपा सरकार हो या कांग्रेस जो भी सत्ता में रही उसने अपने विराधियों को निपटाने के लिये सीबीआई और आयकर विभाग से छापे पड़वाये, कमलनाथ की सरकार के दौरान अमित शाह और नरेंद्र मोदी ने भी कमलनाथ और स्वयंभू आदिवासी नेता कांतिलाल भूरिया के सहयोगी के यहां जब छापा पड़वाया था तो करोड़ों रुपये उस छापे में मिले थे लेकिन छापा तो पड़ा लेकिन प्रवीण कक्कड़ और अवनीश शर्मा पर कुछ फर्क नहीं पड़ा उन्होंने तो शिवराज सरकार के विद्युत बोर्ड के अधिकारियों और मण्डी बोर्ड के अधिकारियों से मिलकर शिवराज सरकार के शासनकाल में करोड़ों रुपये अपने परिवार की संस्था आउटसोर्सिंग के माध्यम से विद्युत मण्डल के माध्यम से कमाया, यदि मोदी और अमित शाह को भरोसा नहीं है तो मप्र विद्युत मण्डल व मण्डी बोर्ड में प्रवीण कक्कड़ की संस्था आउटसोर्सिंग के नाम से हुए घोटाले की जांच के कागजात ही नहीं बल्कि सूचना के अधिकार के द्वारा मांगे गये लोगों के पत्रों की जांच करा ली जाए तो यह समझ में आ जाएगा मोदी हो या अमित शाह किसी ने भी प्रवीण कक्कड़ का कुछ नहीं बिगाड़ सके, हां यह जरूर है कि जब छापा पड़ा तो उनके यहां पड़े छापे ने सुर्खियां बटोरी, यही स्थिति उनके साथी अवनीश शर्मा की भी है उन्होंने भी शिवराज सरकार के मंत्री विजय शाह से मिलकर वन विभाग ही नहीं बल्कि तमाम विभागों को चूना लगाने का काम किया, ऐसी आम जनता में चर्चा है लेकिन इसके बाद भी इन दोनों के यहां पड़े छापे के बाद इन दोनों को कोई नुकसान नहीं हुआ हां, छापे के बाद कुछ बदनामी जरूर हुई लेकिन उन्होंने अपना घाटा तो शिवराज सरकार के ही कागजों में झूठे आंकड़ों की रंगोली सजाने वाले मण्डी बोर्ड के अधिकारियों से मिलकर अपनी क्षतिपूर्ति कर ली और आज वह मजे में ऐश करके फिर कमलनाथ से मिलकर इसी सरकार की बाट बैठाने में लगे हुए हैं, यदि कांग्रेसियों और जनता की बात पर भरोसा करें तो लगभग ऐसी ही स्थिति कमलनथ के पुराने सहयोगी मृगलानी की भी है, कुल मिलाकर जो भाजपा के नेता मोदी और अमित शाह अपने विरोधियों को नुकसान पहुंचाने के लिये कांग्रेस की नीतियों की तरह सीबीआई और आयकर विभाग का उपयोग करके अपने विरोधयों पर दबाव बनाने का प्रयास करते हैं उनकी इस नीति में प्रवीण कक्कड़ और अश्विनी शर्मा उस्ताद निकले और शिवराज सरकार की कार्यशैली के चलते शिवराज के ही चहेते अधिकारियों से सांठगांठ करके नरेंद्र मोदी और अमित शाह की नीतियों को गच्चा देकर आयकर के छापे में उजागर हुए।

दिल्ली का दूसरा सबसे बड़ा सफल रनचेज, प्लेऑफ की उम्मीदें बरकरार

मिचेल स्टार्क और माधव तिवारी की घातक गेंदबाजी के बाद अक्षर पटेल और डेविड मिलर की तूफानी अर्धशतकीय पारियों के दम पर दिल्ली कैपिटल्स ने पंजाब किंग्स को तीन विकेट से हरा दिया। सोमवार को धर्मशाला में खेले गए आईपीएल मैच में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी पंजाब ने प्रियांश आर्या (56) और श्रेयस अय्यर (59*) की अर्धशतकीय पारियों की मदद से 20 ओवर में पांच विकेट पर 210 रन बनाए। जवाब में दिल्ली ने 19 ओवर में सात विकेट पर 216 रन बनाए और मुकाबला अपने नाम कर लिया। पंजाब के लिए अर्शदीप और यश ठाकुर ने दो-दो विकेट लिए जबकि बेन ड्वार्शुइस और मार्कस स्टोइनिस के नाम एक-एक विकेट रहा। पंजाब के नाम अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज हुआ

दिल्ली का यह आईपीएल में किसी टीम के खिलाफ दूसरे सबसे बड़ा सफल रनचेज है। इससे पहले टीम ने जयपुर में राजस्थान के खिलाफ 226 रनों के लक्ष्य को हासिल किया था। वहीं, पंजाब के नाम अनचाहा रिकॉर्ड जुड़ गया। पंजाब किंग्स आईपीएल की पहली ऐसी टीम बन गई है जिसके नाम 200 से ज्यादा स्कोर का बचाव करते हुए सबसे ज्यादा शिकस्त दर्ज हैं। टीम ने नौ मुकाबले गंवाए हैं जबकि आरसीबी (सात), चेन्नई (छह) और कोलकाता (पांच) क्रमशः दूसरे, तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। सातवें स्थान पर दिल्ली

12 में से पांच मुकाबले जीतकर दिल्ली सातवें स्थान पर पहुंच गई है। उनके खाते में 10 अंक हो गए हैं और नेट रन रेट -0.993 है। उनकी प्लेऑफ की उम्मीदें अभी जीवित हैं। वहीं, पंजाब किंग्स 13 अंक और +0.428 नेट रन रेट के साथ चौथे स्थान पर है। शीर्ष पर आरसीबी है जबकि हैदराबाद और गुजरात

तमीम इकबाल बोले- भारत के लिए बांग्लादेश सुरक्षित; विश्वकप विवाद को लेकर पूर्व BCB अध्यक्ष को भी घेरा

टी20 वर्ल्ड कप 2026 सिर्फ भारत की खिताबी जीत के लिए नहीं, बल्कि बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर किए जाने के विवाद के लिए भी याद किया जाएगा। अब इस पूरे मामले पर बांग्लादेश के पूर्व कप्तान तमीम इकबाल ने पहली बार खुलकर बयान दिया है। हाल ही में बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (क्ष्टक्र) के अंतरिम प्रमुख बनाए गए तमीम ने माना कि यह स्थिति बेहतर तरीके से संभाली जा सकती थी। उन्होंने भारत के बांग्लादेश दौरे को लेकर उम्मीद भी जताई है और कहा है कि बांग्लादेश भारत के लिए सुरक्षित है। आईसीसी नरम था, हल निकल सकता था'

तमीम इकबाल ने पूर्व बीसीबी प्रशासन की आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने मामले को सही तरीके से नहीं संभाला। तमीम ने कहा, 'जब टी20 वर्ल्ड कप का मुद्दा हुआ, तब शायद मैं पहला व्यक्ति था जिसने आवाज उठाई। जो किया गया और जिस तरह पिछला बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड इसे संभाल रहा था, वह सही नहीं था। आईसीसी नरम था, समाधान निकालने की गुंजाइश थी। हमें रास्ता ढूंढना चाहिए था।' हमने बिना बातचीत के वर्ल्ड कप गंवा दिया'

तमीम ने भावुक अंदाज में कहा कि बांग्लादेश ने बहुत संघर्ष करके विश्व क्रिकेट में अपनी जगह बनाई थी, लेकिन बिना सही संवाद के बड़ा मौका गंवा दिया। उन्होंने कहा, '1996-97 को याद कीजिए, जब हमने केन्या को हराकर वर्ल्ड कप में जगह बनाई थी। लोग सड़कों पर जश्न मना रहे थे। उसी जश्न ने बच्चों को क्रिकेट से जोड़ा। लेकिन हमने बिना ठीक से बातचीत किए एक वर्ल्ड कप छोड़ दिया। उस टीम में ऐसे खिलाड़ी भी रहे होंगे जिन्हें दोबारा कभी वर्ल्ड कप खेलने का मौका न मिले। यह बात मुझे बिल्कुल अच्छी नहीं लगी।'

बीसीसीआई से रिश्तों पर भी दिया बयान

तमीम इकबाल ने भारतीय क्रिकेट बोर्ड से रिश्तों को लेकर भी सकारात्मक संकेत दिए। उन्होंने कहा कि मौजूदा बीसीसीआई अध्यक्ष मिथुन मन्हास से उनके अच्छे संबंध हैं। तमीम ने कहा, 'मैंने मिथुन मन्हास के साथ काफी क्रिकेट खेली है।

खेल मंत्रालय ने बीएफआई को थमाया कारण बताओ नोटिस, चयन प्रक्रिया पर उठे सवाल

भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) और खेल मंत्रालय ने भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) की चयन प्रक्रिया और प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। खेल मंत्रालय ने सोमवार को बीएफआई को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए एक सप्ताह के भीतर जवाब मांगा है। बीएफआई की चयन नीति पर उठे सवाल

समाचार एजेंसी पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से बताया, मंत्रालय ने बीएफआई की चयन नीति को अस्पष्ट और पारदर्शिता से रहित बताया है। यह नोटिस ऐसे समय में जारी हुआ है जब एक दिन पहले ही साई ने पटियाला में आयोजित होने वाले मूल्यांकन शिविर को रोकने के निर्देश दिए थे। यह शिविर आगामी कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स के लिए मुक्केबाजों के चयन के उद्देश्य से आयोजित किया जाना था। चयन प्रक्रिया पर सवाल

मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रीय शिविर में खिलाड़ियों को शामिल करने के लिए अपनाए गए 'दूसरे रास्ते' यानी चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (सीओएएस) कप के मानदंड स्पष्ट नहीं हैं। यह टूर्नामेंट अप्रैल में पुणे स्थित आर्मी स्पोर्ट्स इंस्टीट्यूट में आयोजित हुआ था। आरोप है कि इसमें कुछ ऐसे मुक्केबाजों को हिस्सा लेने से रोक दिया गया जो सशस्त्र बलों से जुड़े नहीं थे। सीओएएस कप के 40 पदक विजेताओं को राष्ट्रीय कैंप में मूल्यांकन के लिए बुलाया जाना था, लेकिन साई ने इस पर आपत्ति जताई। साई का कहना है कि बंद टूर्नामेंट के खिलाड़ियों को ऐसे कोचिंग पैनल के तहत शामिल किया जा रहा था जो अनुभव और योग्यता के मानकों पर खरे नहीं उतरते।

हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर की नियुक्ति नहीं

खेल मंत्रालय ने बीएफआई पर यह आरोप भी लगाया कि उसने कई बार याद दिलाने के बावजूद अभी तक हाई परफॉर्मेंस डायरेक्टर की नियुक्ति नहीं की है। मंत्रालय ने पिछले वर्ष सभी राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) के लिए इस पद हेतु 10 करोड़ रुपये अलग रखने को अनिवार्य किया था।

नियमों के उल्लंघन का आरोप

नोटिस में यह भी कहा गया है कि बीएफआई ने कोच और सपोर्ट स्टाफ की नियुक्ति के लिए बनाई गई चयन समिति में साई के महानिदेशक या उनके प्रतिनिधि को शामिल नहीं किया, जबकि मंत्रालय के नियमों के तहत यह अनिवार्य है।इसके अलावा, अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं से संबंधित प्रस्ताव तय समयसीमा के भीतर जमा नहीं किए जा रहे हैं। नियमों के अनुसार, प्रशिक्षण और प्रतियोगिताओं के प्रस्ताव खिलाड़ियों के नाम के बिना कम से कम 90 दिन पहले और खिलाड़ियों के नाम सहित 60 दिन पहले भेजे जाने चाहिए।

चार हार से पंजाब की राह मुश्किल? दिल्ली की उम्मीदें अभी भी जिंदा

कुछ टीमों को जीत चाहिए, कुछ को चमत्कार

टीम	मैच	जीत	हार	बेनतीजा	अंक	नेट रनरेट
RCB	11	7	4	0	14	+1.103
SRH	11	7	4	0	14	+0.737
GT	11	7	4	0	14	+0.228
PBKS	11	6	4	1	13	+0.428
CSK	11	6	5	0	12	+0.185
RR	11	6	5	0	12	+0.082
DC	12	5	7	0	10	-0.993
KKR	10	4	5	1	9	-0.169
MI (E)	11	3	8	0	6	-0.585
LSG (E)	11	3	8	0	6	-0.907

मौजूदा अंक तालिका

आईपीएल 2026 अपने निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है और प्लेऑफ की जंग बेहद रोमांचक हो गई है। अभी तक कोई टीम आधिकारिक तौर पर क्वालिफाई नहीं कर सकी है, लेकिन आरसीबी, सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस की संभावना 80 प्रतिशत से ज्यादा बताई जा रही है। वहीं चेन्नई सुपर किंग्स और वैभव सूर्यवंशी की राजस्थान रॉयल्स भी दौड़ में मजबूती से बनी हुई हैं। पंजाब किंग्स की लगातार हार ने समीकरण बदल दिए हैं। आईपीएल 2026 का लीग चरण खत्म होने में दो सप्ताह से भी कम समय बचा है, लेकिन अब तक किसी टीम ने प्लेऑफ का टिकट पक्का नहीं किया है। यही वजह है कि इस सीजन का रोमांच अपने चरम पर पहुंच गया है। फिलहाल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, सनराइजर्स हैदराबाद और गुजरात टाइटंस 11 मैचों में 14-14 अंकों के साथ शीर्ष दावेदार बने हुए हैं। पंजाब किंग्स 11 मैचों में 13 अंक लेकर चौथे स्थान पर है। चेन्नई सुपर किंग्स 12 अंक के साथ पांचवें और राजस्थान रॉयल्स 12 अंकों के साथ छठे स्थान पर है। दिल्ली कैपिटल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स की राह मुश्किल जरूर है, लेकिन उम्मीदें अभी खत्म नहीं हुई हैं। क्या है प्लेऑफ का मैजिक नंबर?

जब से आईपीएल 10 टीमों का टूर्नामेंट बना है, तब से 16 अंक को प्लेऑफ में पहुंचने का सुरक्षित आंकड़ा माना जाता है। 10 टीमों वाले आईपीएल इतिहास में 16 अंक वाली कोई भी टीम प्लेऑफ से बाहर नहीं हुई है। 2022, 2023 और 2025 में चौथे स्थान पर रहने वाली टीम 16 अंकों के साथ प्लेऑफ में पहुंची थी। केवल 2024 में 14 अंकों पर चार टीमों के बीच नेट रनरेट का खेल हुआ था, जहां आरसीबी ने बाजी मारी थी। यानी इस सीजन भी जो टीम 16 अंक तक पहुंच जाएगी, उसकी दावेदारी लगभग तय मानी जाएगी। इन तीनों को सिर्फ एक जीत और चाहिए। बाकी तीन मैचों में से एक जीतते ही प्लेऑफ लगभग पक्का हो जाएगा। नेट रनरेट की चिंता नहीं करनी पड़ेगी।

आईपीएल 2026 मौजूदा अंक तालिका

टीम मैच जीत हार बेनतीजा अंक नेट रनरेट

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 11 7 4 0 14 +1.103

सनराइजर्स हैदराबाद 11 7 4 0 14 +0.737

गुजरात टाइटंस 11 7

यूरोप की नई टी20 लीग में भारतीय जलवा; राहुल द्रविड़ बने टीम मालिक, अश्विन संभालेंगे कप्तानी

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज राहुल द्रविड़ को सोमवार को यूरोपियन टी20 प्रीमियर लीग (श्वज्ञक्क) की डबलिन फ्रेंचाइजी डबलिन गार्डियंस का मालिक घोषित किया गया। इस मौके पर द्रविड़ ने कहा कि उनका मकसद सिर्फ टीम खरीदना नहीं, बल्कि यूरोप में क्रिकेट के विकास में योगदान देना है। द्रविड़ ने कहा, 'मुझे ईटीपीएल की बड़ी सोच ने आकर्षित किया। यह यूरोप में क्रिकेट को मजबूत करने, जमीनी स्तर पर विकास करने और नए खिलाड़ियों के लिए रास्ते बनाने का शानदार अवसर है।' उन्होंने आगे कहा, 'डबलिन में क्रिकेट को लेकर जबरदस्त जुनून है और यहां आगे बढ़ने की अपार संभावनाएं हैं। अगली पीढ़ी को तैयार करना हमेशा मेरे लिए अहम रहा है। मुझे विश्वास है कि श्वज्ञक्क इस सफर में बड़ी भूमिका निभा सकता है।' अश्विन को मिली कप्तानी, भारतीय जोड़ी पर नजरें पूर्व भारतीय ऑलराउंडर रविचंद्रन अश्विन को डबलिन गार्डियंस का कप्तान बनाया गया है। द्रविड़ जैसे रणनीतिक दिमाग और अश्विन जैसे अनुभवी कप्तान के साथ यह टीम लीग की सबसे चर्चित फ्रेंचाइजी बन गई है। अश्विन की कप्तानी में टीम बेलफास्ट, एडिनबर्ग, ग्लासगो, रॉटरडैम और एम्स्टर्डम जैसी टीमों से भिड़ेगी।

यूरोप की नई लीग में बड़े सितारों की एंट्री

ईटीपीएल को क्रिकेट आयरलैंड, क्रिकेट स्कॉटलैंड और रॉयल डच क्रिकेट एसोसिएशन के साथ मिलकर शुरू किया गया है। यह एक क्रॉस-बॉर्डर फ्रेंचाइजी मॉडल है, जिसमें छह शहरों की टीमें हिस्सा लेंगी। लीग में कई अंतरराष्ट्रीय स्टार खिलाड़ियों के खेलने की उम्मीद है। इनमें मिचेल मार्श, टिम डेविड, मिचेल सैंटनर, लियाम लिविंगस्टोन, ग्लेन मैक्सवेल, फाफ डुप्लेसिस और हेनरिक क्लासेन जैसे नाम शामिल हैं।

बाकी फ्रेंचाइजियों में भी दिग्गजों की भरमार

इस लीग की दूसरी टीमों में भी कई बड़े क्रिकेट नाम जुड़े हैं। बेलफास्ट फ्रेंचाइजी के मालिक ग्लेन मैक्सवेल हैं, जबकि एम्स्टर्डम टीम से स्टीव वॉ जुड़े हैं। रॉटरडैम फ्रेंचाइजी में जोंटी रोड्स और फाफ डुप्लेसिस शामिल हैं। ग्लासगो टीम में क्रिस गेल भी भागीदार हैं।

बार्सिलोना ने 29वीं बार जीता ला लीगा का खिताब, एल क्लासिको में रियल मैड्रिड को 2-0 से हराया

एफसी बार्सिलोना ने 'एल क्लासिको' मुकाबले में रियल मैड्रिड को 2-0 से हराते हुए ला लीगा के खिताब को अपने नाम किया। बार्सिलोना ने यह 29वीं बार ला लीगा की ट्रॉफी पर कब्जा जमाया है। रियल मैड्रिड इस मुकाबले में अपने तीन अहम खिलाड़ियों के बिना मैदान पर उतरी। टीम के स्टार खिलाड़ी काइलियन एम्बाप्पे हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण यह मुकाबला नहीं खेल सके, तो फेडेरिको वाल्वरडे भी इस मैच का हिस्सा नहीं थे। वहीं, वॉर्मअप के दौरान हुई समस्या के कारण डीन हुइजसेन भी यह मैच खेलने नहीं उतरे। बार्सिलोना के लिए इस मुकाबले में पहले गोल की नींव फेरान टोरेस ने रखी। उन्होंने नौवें मिनट में एंटोनियो रुडिगर से फाउल करवाया, जिसके पूरा फायदा मार्कस रैशफोर्ड ने उठाया। रैशफोर्ड की दनदनाती हुई किक को गोलकीपर थिबॉट कोर्टुआ रोकने में पूरी तरह से नाकाम रहे। टोरेस ने 18वें मिनट में बार्सिलोना की बढ़त दोगुनी कर दी, जब डैनी ओल्मो ने स्ट्राइकर को स्मार्ट बैकहील से शानदार पास दिया। ब्रेक से पहले रैशफोर्ड के पास तीसरा गोल करने का शानदार मौका था, जब टोरेस ने उन्हें फिर से गोल करने के लिए बेहतरीन पास दिया, लेकिन इस बार कोर्टोइस ने शॉट को वाइड टिप कर दिया और ओल्मो ने मिले कॉर्नर से अपना शॉट वाइड मार दिया।

मुझे बलि का बकरा बनाया': मेसी के कार्यक्रम में तोड़फोड़ मामले पर बोले शताद्रु दत्ता

पूर्व खेल मंत्री को घेरा

अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनल मेसी के कोलकाता दौरे के दौरान सॉल्ट लेक स्टेडियम में हुई तोड़फोड़ के मामले में इवेंट के आयोजक शताद्रु दत्ता ने चुप्पी तोड़ी है। शताद्रु ने खुद को 'बलि का बकरा' बताते हुए कहा है कि उन्हें मेसी को कोलकाता लाने का अफसोस है। शताद्रु ने पश्चिम बंगाल के तत्कालीन खेल मंत्री अरूप बिस्वास की मैदान पर मौजूदगी को लेकर सवाल उठाते हुए खुलासा किया है कि जब पुलिस ने उन्हें विमान के अंदर गिरफ्तार किया था, तो मेसी और उनके मैनेजर ने इसका विरोध किया। क्या था मामला?

दरअसल, 13 दिसंबर 2025 को दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेसी कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम आए थे, जहां भारी अव्यवस्था देखने को मिली।

जब फैंस को अपने पसंदीदा फुटबॉलर की एक झलक तक नसीब नहीं हुई, तो नाराज फैंस ने स्टेडियम में तोड़फोड़ की। इस घटना के बाद आयोजक शताद्रु दत्ता को गिरफ्तार किया गया था। दत्ता बोले- मुझे मेसी को कोलकाता लाने का अफसोस

शताद्रु दत्ता ने कहा, मुझे मेसी को कोलकाता लाने का अफसोस है। कोलकाता से मेरा एक भावनात्मक जुड़ाव है। मैं चाहता था कि यह शहर मेसी को देखे। मैंने कभी नहीं सोचा था कि ऐसा होगा। यह पुलिस की पूरी तरह से नाकामी थी। गृह मंत्रालय (एमएचए) ने इसके लिए बंगाल सरकार को जेड प्लस श्रेणी दी थी। तत्कालीन सीएम ममता बनर्जी भी आने वाली थीं, लेकिन इवेंट में मची भगदड़ पुलिस की बहुत बड़ी नाकामी थी। मुझे तकनीकी बातों की ज्यादा जानकारी नहीं है। मुझे एक चिट्ठी मिली थी, जिसमें लिखा था कि यह एक जेड प्लस श्रेणी का कार्यक्रम है। शाहरुख खान, मेसी, सौरव गांगुली की मौजूदगी में यह एक बहुत ही कड़ी सुरक्षा वाला कार्यक्रम था।

केला खाना कब खतरनाक, क्यों शरीर के लिए जहर बन जाता है इतना फायदेमंद फल

केला वात पित्त दोष को बैलेंस करने का काम करता है. चूंकि वात बिगड़ने से करीब 80 तरह की बीमारियां हो सकती हैं.ऐसे में केला खाने से इन सभी से बचा जा सकता है.हालांकि, कई बार केला खाना नुकसान कर सकता है.

केला वात पित्त दोष को बैलेंस करने का काम करता है. चूंकि वात बिगड़ने से करीब 80 तरह की बीमारियां हो सकती हैं.ऐसे में केला खाने से इन सभी से बचा जा सकता है.हालांकि, कई बार केला खाना नुकसान कर सकता है.

केला खाने से एक-दो नहीं बल्कि 80 तरह की बीमारियां दूर हो सकती है. यह काफी पौष्टिक और फायदेमंद फल है. इसे खाने से शरीर ताकतवर बनता है और कई तरह समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है.

हालांकि, कई बार यह खतरनाक भी हो सकता है और सेहत को नुकसान पहुंचाने लगता है. यही कारण है कि आयुर्वेद में कुछ लोगों को केला खाने से मना किया जाता है. आइए जानते हैं किन लोगों को केला भूलकर भी नहीं खाना चाहिए...

हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक, केला सेहत का सच्चा दोस्त होता है. यह पौष्टिक तत्वों का खजाना होता है. इसमें विटामिन सी, फाइबर, पोटैशियम, मैंगनीज, विटामिन बी 6, एंटीऑक्सीडेंट ग्लूटाथियोन, फेनोलिक्स, डेल्फिडिनिन, रुटिन और नारिंगिन पाया जाता है, जो वात पित्त दोष को बैलेंस करने का काम करते हैं.

आयुर्वेद कहता है कि वात के बिगड़ने से करीब 80 तरह की बीमारियां हो सकती हैं. इसमें ड्राइनेस, हड्डियों में गैप, कब्ज जैसी कई समस्याएं हैं. इसलिए केला खाने से इन सभी से बचा जा सकता है.

वैसे तो केला हर किसी को फायदेमंद माना जाता है. हालांकि, आयुर्वेद के अनुसार, केले की प्रकृति ठंडा होता है और यह पचने में हैवी होता है. केला लुब्रिकेशन का काम भी करता है. अगर किसी की बॉडी ड्राई रहती है या हमेशा थकान लगती है तो उसे केला खाना चाहिए. इसके अलावा अच्छी नींद न आने, गुस्सा आने, बहुत प्यास लगने, शरीर जलन होने पर केला खाना चाहिए.

आयुर्वेद के मुताबिक, केला कफ दोष को बढ़ा देता है. इसलिए जिनका कफ ज्यादा है, उन्हें केला गलती से भी नहीं खाना चाहिए. क्योंकि कफ के बढ़ने से जठराग्नि कमजोर है तो यह उसे स्लो कर देगा. अगर किसी की चर्बी ज्यादा है, खांसी-जुकाम की समस्या है और कोई दमा का मरी है तो उसे केला नहीं खाना चाहिए.

अपनी डाइट में शामिल करें स्ट्रॉबेरी का जूस, मिलेंगे स्वस्थ त्वचा समेत ये स्वास्थ्य लाभ

गर्मियों में आप स्वस्थ जूस की तलाश कर रहे हैं तो स्टॉबेरी जूस को अपनी डाइट का हिस्सा बनाएं। स्ट्रॉबेरी का जूस पोषण और स्वाद का बढ़िया मिश्रण है, जो प्रतिरक्षा को बढ़ाता है और संपूर्ण स्वास्थ्य को बनाए रखता है।यह विटामिन सी, एंटीऑक्सीडेंट और पोटैशियम से भरपूर होता है। इसमें पानी की मात्रा भी अधिक होती है, जिसके चलते यह जूस शरीर को हाइड्रेटेड रखता है।आइए जानते हैं स्ट्रॉबेरी जूस से मिलने वाले स्वास्थ्य संबंधी लाभ।

वजन घटाने में करता है मदद

स्ट्रॉबेरी में भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट और एलेजिक एसिड मौजूद होता है। ये दोनों खनिज अपने सूजन कम करने वाले गुणों और वजन घटाने से संबंधित हार्मोन को नियमित करने की क्षमता के लिए जाने जाते हैं।स्ट्रॉबेरी के जूस का सेवन करने से शरीर में एडिपोनेक्टिन संश्लेषण को बढ़ावा मिलता है , जो वसा को जलाकर चयापचय में सुधार करता है।स्ट्रॉबेरी से बनी ये 5 रेसिपी खाकर बच्चों से लेकर बड़े भी खुश हो जाएंगे।

त्वचा में आता है निखार

स्ट्रॉबेरी का जूस पीना निखरी त्वचा पाने में आपकी मदद कर सकता है। इसमें पाया जाने वाला अल्फा-हाइड्रॉक्स एसिड त्वचा को प्राकृतिक तरीके से एक्सफोलिएट करने और मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाने में सहायक साबित होता है।

घर पर फल का जूस बनाते समय इन 5 बातों का रखें खास ध्यान, फायदे होंगे ज्यादा

आजकल बाजार में मिलने वाले फलों के जूस में अप्राकृतिक रंग और स्वाद मिलाने के साथ-साथ शक्कर भी मिलाई जाती है, जिससे उनकी पौष्टिकता कम हो जाती है। ऐसे में बेहतर होगा कि आप घर पर ही ताजे और मौसमी फलों से जूस बनाएं क्योंकि इससे आपको कई पोषक तत्व मिलेंगे। हालांकि, जूस बनाते समय कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। आइए जानते हैं कि फल का जूस बनाते समय क्या-क्या ध्यान रखना चाहिए।

ताजे और मौसमी फल चुनें

फल का जूस बनाने के लिए हमेशा ताजे और मौसमी फलों का ही चयन करें। इससे न केवल आपको भरपूर पोषण मिलेगा, बल्कि जूस की ताजगी और स्वाद भी बेहतरीन रहेगा। इसके अतिरिक्त मौसमी फल अधिक सस्ते भी होते हैं। इसके साथ ही जूस बनाते समय फल को काटने से पहले उसे अच्छे से धो लें ताकि उस पर लगे कीटाणु और कीटनाशक आदि दूर हो जाएं। इस प्रकार जूस बनाने के लिए सही फलों का चयन करें।

मौसम के अनुसार चुनें फल का जूस

अगर आपके घर में छोटे बच्चे हैं तो उनके लिए जूस बनाते समय मौसम के अनुसार ही फल चुनें। उदाहरण के लिए गर्मियों में तरबूज, खरबूज और आम का जूस बनाना अच्छा है, जबकि बारिश के मौसम में संतरे, लीची, अनार और अंगूर आदि का जूस बनाना बेहतर है, वहीं सर्दियों में अनार, संतरा, अंगूर और सेब आदि का जूस बनाएं। इससे बच्चों को ताजगी और ऊर्जा मिलेगी, साथ ही वे बीमारियों से भी दूर रहेंगे।

चीनी का प्रयोग न करें

फल अपने आप में मीठे होते हैं और फल का जूस बनाते समय आपको चीनी का इस्तेमाल करने की जरूरत नहीं है। दरअसल, फल का जूस बनाने के लिए लोग अक्सर शक्कर डालते हैं, लेकिन इससे जूस की पौष्टिकता कम हो जाती है। ऐसे में बेहतर होगा कि आप चीनी की बजाय फल की मिठास पर ध्यान दें। अगर आपको फल का जूस थोड़ा फीका लगता है तो उसमें थोड़ा शहद मिलाएं।

जूस बनाते समय पानी का इस्तेमाल है गलत

अगर आप फल का जूस बनाने के लिए फल को जूसर में डालते समय पानी डालते हैं तो यह आपकी सबसे बड़ी गलती हो सकती है। इससे जूस की पौष्टिकता कम हो जाती है। इसलिए आप चाहें तो फल को जूसर में डालकर उसे मिक्सर ग्राइंडर कर सकते हैं।

भगवान शिव की भूमिका निभाएंगे रणवीर सिंह?

रणवीर सिंह अपनी फिल्मों में एक बड़ा बदलाव करने जा रहे हैं। वह एक प्रसिद्ध लेखक की शिव त्रयी (मेलुहा के अमर श्रृंखला) पर बनी फिल्म में नजर आएंगे। इस फिल्म में रणवीर भगवान शिव का किरदार निभाएंगे।भगवान शिव के किरदार में रणवीर?

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रणवीर सिंह किताब 'द इमॉर्टल्स ऑफ मेलुहा' पर आधारित फिल्म में भगवान शिव के किरदार में नजर आएंगे। रणवीर ने अपनी प्रोडक्शन कंपनी मां कसम फिल्म्स के जरिए 'द इमॉर्टल्स ऑफ मेलुहा' के अधिकार खरीद लिए हैं।

यह किताब और इसके दो सीक्वल प्राचीन मेलुहा राज्य में एक हिमालयी योद्धा की कहानी बताते हैं। रणवीर ने बिरला स्टूडियोज के साथ मिलकर इस कहानी को तीन बड़ी फिल्मों की श्रृंखला (त्रयी) के रूप में बनाने की योजना बनाई है।

कब शुरू होगी शूटिंग?

रणवीर काफी समय से इसकी कहानी को बड़े पर्दे पर लाना चाहते थे। पूरी टीम स्क्रिप्ट पर काम कर रही है। पहली फिल्म की शूटिंग 2028 में शुरू होने की उम्मीद है।

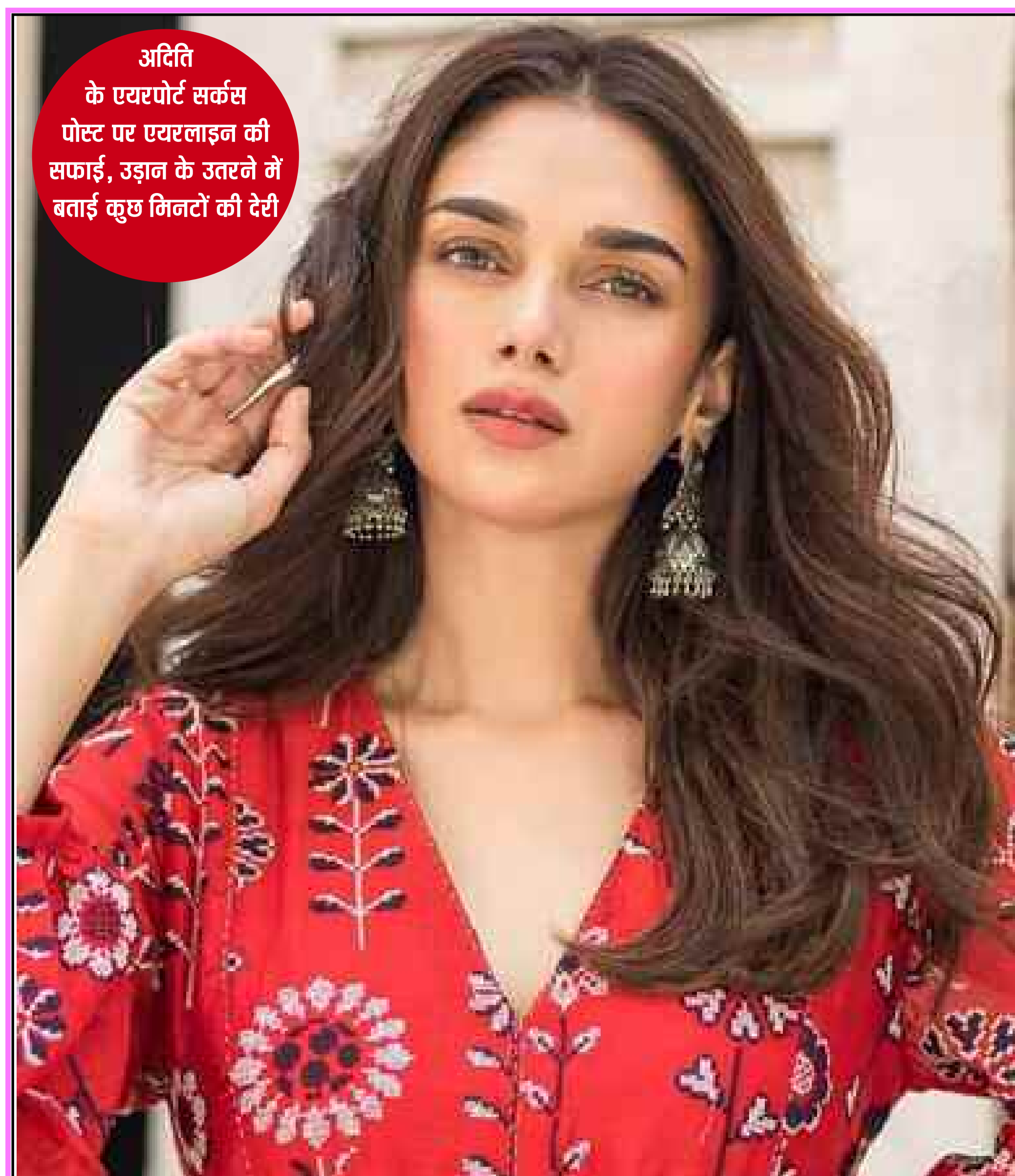

बॉलीवुड अभिनेत्री अदिति राव हैदरी इन दिनों संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित पीरियड ड्रामा सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाजार को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनेत्री इन दिनों इसके प्रमोशन में बिजी चल रही हैं। ऐसे में उन्हें काफी यात्रा करनी पड़ रही है। ऐसे में हाल ही में उन्होंने अपने बुरे हवाई अड्डे के अनुभव को साझा किया है। उसने इंस्टाग्राम पर अपनी आपबीती साझा की और सड़क पर फंसने के बारे में बताया। उनके इस पोस्ट पर अब एयरलाइन ने स्पष्टीकरण दिया है।

अदिति राव हैदरी के पोस्ट पर एयरलाइन ने सफाई दी है। उन्होंने बताया कि देरी सिर्फ 12 मिनट की थी। अभिनेत्री ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर फ्लाइट की खिड़की से एयरपोर्ट की एक तस्वीर साझा की। साथ ही इसे एयरपोर्ट सर्कस कहा। अदिति ने लिखा, हर दिन नई गिरावट! न कोई सीढ़ी और न ही कोई एयरब्रिज, जबकि हम 12 बजकर 10 मिनट से एयरपोर्ट सर्कस देखते रहे। मुंबई एयरपोर्ट टर्मिनल दो।

एयरलाइंस ने अभिनेत्री के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए स्वीकार किया है कि उनकी उड़ान में 12 मिनट की देरी हुई। उन्होंने कहा, हमारी फ्लाइट के साथ सीढ़ी की व्यवस्था करने में बाधा के कारण हैदराबाद से मुंबई तक चलने वाली उड़ान के उतरने में 12 मिनट की देरी हुई। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि इस मामले में संबंधित अधिकारियों को तुरंत सूचित किया गया और सुधार की कोशिश की गई।

उन्होंने यात्रियों को हुई असुविधा के लिए खेद भी व्यक्त किया है। सोशल मीडिया पर अदिति राव हैदरी का ये पोस्ट खूब वायरल हुआ है। इसके बाद एयरलाइन ने मामले में अपना स्पष्टीकरण दिया है।

अदिति राव हैदरी इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज हीरामंडी- द डायमंड बाजार को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित इस पीरियड ड्रामा सीरीज का सभी को बेसब्री से इंतजार है। यह सीरीज 1 मई से ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होनी शुरू हो जाएगी।

रणबीर को कंगना को डेट करना चाहिए', जब रणवीर सिंह ने कसा था तंज

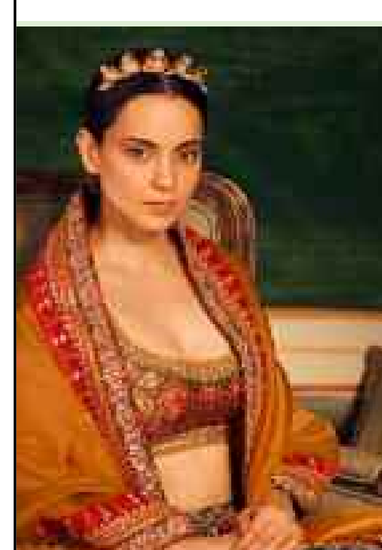

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रणौत को 'विवादों की रानी' के रुप में जाना जाता है। वह बॉलीवुड की कई मशहूर हस्तियों पर सीधे तंज कसने का कोई मौका नहीं छोड़ती। इन दिनों कंगना रणौत अपने चुनावी कार्यक्रम में व्यस्त हैं और अपने बयानों को लेकर चर्चा में बनी हैं। कंगना रणौत रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के साथ अपनी अनबन के लिए हमेशा सुर्खियों में बनी रहती हैं। कंगना अक्सर इस जोड़े पर तंज करती रहती हैं। कई बार कंगना को इसके लिए आलोचना भी झेलनी पड़ती है।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक हाल ही में, 'कॉफी विद करण' का एक पुराना वीडियो 'रेडिट' पर सामने आया है। वीडियो में करण ने रणवीर से उस एक्ट्रेस का नाम बताने को कहा जिसके साथ रणबीर को डेट पर जाना चाहिए। इसी का जवाब देते हुए रणवीर ने कंगना रणौत का नाम लिया और कहा था कि 'रंगून' अभिनेत्री और रणबीर खूब मस्ती करेंगे। रणवीर सिंह ने जैसे ही कंगना का नाम लिया, रणबीर कपूर ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, वह भावहीन हो गए। वह ना तो मुस्कुराए और ना ही नाराज हुए। इसके एक अन्य भाग के दौरान जब रणवीर एक सवाल का जवाब नहीं दे पाए तो उन्होंने मजाक में राखी सावंत की नकल की और अपनी अजीब आवाज में कहा, 'करण चीटिंग है ये।' इस पर प्रतिक्रिया देते हुए रणबीर ने हंसते हुए पूछा कि क्या रणवीर कंगना की नकल कर रहे हैं, क्योंकि उनकी आवाज भी कर्कश है।नेटिजन्स ने वीडियो पर दी प्रतिक्रियामीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जब यह वीडियो इंटरनेट पर वायरल हुआ तो कई नेटिजन्स ने टिप्पणी की। एक यूजर ने लिखा, 'या तो उनका कोई इतिहास है या वह उनसे नफरत करते हैं इसलिए रणवीर ने जानबूझकर उन्हें परेशान करने के लिए उनका नाम लिया। कंगना के अनुसार वह उनसे भीख मांगते थे, उनका पीछा करते थे आदि। भगवान सच जानता है।' एक अन्य यूजर ने ने टिप्पणी की, 'मैंने हमेशा सोचा है कि कंगना जो कहती थीं उसमें कम से कम कुछ सच्चाई तो होती है।'भगवान राम का किरदार निभाने को लेकर कंगना रनौत ने कसा था तंज मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इससे पहले जब नितेश तिवारी की बहुप्रतीक्षित फिल्म, रामायण में राम की भूमिका निभाने के लिए रणबीर कपूर को चुने जाने की खबरें ऑनलाइन सामने आई थीं।

तापसी को है अपनी सफलता पर गर्व, बोलीं- मैं आज जहां हूं सिर्फ और सिर्फ अपनी मेहनत के बदौलत हूं

तापसी पन्नू आज बॉलीवुड में किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। फिल्म इंडस्ट्री को एक से बढ़कर एक हिट फिल्म देने वाली तापसी के लिए यह सफर बिल्कुल भी आसान नहीं था। पिछले दिनों एक इंटरव्यू के दौरान अभिनेत्री अपने संघर्ष के दिनों को याद करती नजर आईं। साथ ही साथ उन्होंने बॉलीवुड के पैपराजी कल्चर पर भी अपनी बात को बेबाकी से रखा। आखिरी बार तापसी पन्नू शाहरुख खान के साथ उनकी फिल्म डंकी में नजर आई थीं। दर्शकों को इस फिल्म में उनका किरदार काफी पसंद भी आया था। तापसी बॉलीवुड में अलग किस्म की भूमिकाएं निभाने के लिए मशहूर हैं। तापसी कहती हैं, मैंने अपने करियर के शुरुआत से ही अलग-अलग किस्म की भूमिकाओं को चुना है। तापसी पन्नू अपनी बात जारी रखते हुए कहती हैं, मैंने फिल्म बेबी और नाम शबाना जैसी फिल्मों के एक्शन किया है। वहीं मैंने सांढ़ की आंख और मनमर्जियां जैसी फिल्में भी की हैं। मुझे अलग-अलग किरदार निभाने में काफी मजा आता है। हसीन दिलरुबा स्टार तापसी पन्नू कहती हैं, आज मैं जहां हूं वहां पहुंचने के लिए मैंने काफी मेहनत की है। यह सफलता मुझे यूं ही नहीं मिल गई है। अब मैं जहां हूं वहां से मैं आराम से अपने करियर के साथ निजी जिंदगी पर भी ध्यान दे सकती हूं। करियर के साथ जिंदगी में संतुलन रहे यह भी जरुरी है। तापसी पन्नू अपनी निजी जिंदगी के बारे में सोशल मीडिया पर निजता बरतती हैं। वे अपनी जिंदगी से जुड़ी बातों को सबके साथ साझा करने में विश्वास नहीं करती हैं। वहीं बॉलीवुड में पैपराजी कल्चर के बारे में बात करते हुए कहती हैं, पैपराजी को कलाकारों की निजता का सम्मान करना चाहिए। उनकी भी एक जिंदगी है जो उनकी पब्लिक लाइफ से अलग होती है। कई बार पैपराजी इसे नहीं समझते हैं। तापसी पन्नू के वर्क फ्रंट की बात करें तो तापसी साल 2023 में डंकी%फिल्म में नजर आई थीं।

मध्यप्रदेश उद्यमियों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलने को हर समय तत्पर तैयार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मध्यप्रदेश को फ्रांस की ओर से प्राप्त होगा अधिकतम सहयोग : फ्रांस राजदूत श्री माथू

भारत और फ्रांस की मैत्री है पुरानी, आगे भी रहेगा परस्पर सहयोग

मुख्यमंत्री निवास में फ्रांस के राजदूत और इंडो फ्रेंच इन्वेस्टमेंट कान्क्लेव के प्रतिनिधियों का हुआ आत्मीय स्वागत

मुख्यमंत्री निवास में हुई राउंड टेबल मीटिंग

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मंगलवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में भोपाल में संपन्न एक दिवसीय इंडो-फ्रेंच इन्वेस्टमेंट कॉन्क्लेव के प्रतिनिधियों ने भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से फ्रांस के राजदूत थियरी माथू ने भी भेंट की। फ्रांसीसी राजदूत ने कहा कि मध्यप्रदेश को विभिन्न क्षेत्रों में फ्रांस की ओर से अधिकतम सहयोग प्राप्त होगा। मध्यप्रदेश में आगामी वर्ष होने वाले ग्लोबल समिट की दृष्टि से फ्रांस और मध्यप्रदेश के मध्य दीर्घकालिक रणनीतिक सहयोग को मजबूत बनाने के प्रयास होंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश उद्यमियों के साथ कदम से कदम मिलकर चलने को तैयार है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को मुख्यमंत्री निवास में मंगलवार की शाम राउंड टेबल मीटिंग में कॉन्क्लेव में हुए विचार-विमर्श और विभिन्न क्षेत्रों में निवेश के संबंध में की गई पहल की जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने भारत में फ्रांसीसी राजदूत श्री माथू का अंगवस्त्रम् और पुष्प-गुच्छ से स्वागत करते हुए और विक्रमादित्य वैदिक घड़ी भेंट की। कॉन्क्लेव में विभिन्न प्रमुख क्षेत्रों में फ्रांस कंपनियों और मध्यप्रदेश सरकार के बीच एक समझौता ज्ञापन सहित 8 अभिरूचि पत्र (लेटर ऑफ इंटेट) प्रस्तुत किए गए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने फ्रांस से भोपाल पधारे सभी प्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि बदलते दौर में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेज गति से आगे बढ़ रहा है। वर्ष 1998 में पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में फ्रांस ने भारत सरकार की नीतियों का स्वागत किया। भारत-फ्रांस की मित्रता के अनेक उदाहरण देखने को मिलते हैं। यह मैत्री पुरानी है और आगे भी परस्पर सहयोग की परम्परा बनी रहेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत ने पोखरण में परमाणु परीक्षण किया तो फ्रांस ने भारत का समर्थन किया था। फ्रांस से भारत ने राफेल डील भी की। दुनिया का एडवांस फाइटर जेट राफेल भारत की सीमाओं की रक्षा कर रहा है। यूरोपियन यूनियन के साथ भारत सरकार ने मुक्त व्यापार समझौता किया है। यह हमारी मित्रता के लिए सोने पर सुहागा है। इससे वैश्विक स्तर पर नई संभावनाओं के द्वार खुलेंगे। भारत के साथ काम करते हुए सभी क्षेत्रों में व्यापार-व्यवसाय की व्यापक संभावनाएं हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में हम रक्षा, तकनीक, कौशल विकास सहित अन्य क्षेत्रों में मिलकर अच्छी नीतियों के साथ कार्य करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद वैश्विक स्तर पर बड़े पैमाने पर बदलाव नजर आए। प्रधानमंत्री श्री मोदी के कुशल नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद एक नया भारत देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में भी औद्योगिक निवेश की अपार क्षमता, योग्यता और संभावनाएं हैं। राज्य सरकार का फोकस व्यापार-व्यवसाय में निवेश बढ़ाने पर है। निवेश दोनों पक्षों की आपसी सहमति से आगे बढ़ता है। औद्योगिक विकास में लंबी छलांग लगाने के लिए राज्य सरकार पूरी पारदर्शिता के साथ कार्य कर रही है। हमारे पास तकनीक के साथ-साथ अनेक अनुकूल पक्ष हैं। मध्यप्रदेश देश के मध्य में होने के कारण कनेक्टिविटी के मामले में सबसे बेहतर है। समृद्ध पर्यटन क्षेत्र, औद्योगिक शांति और प्रकृति की अनुकूलता से उद्योगों का विकास आसान है। राज्य सरकार ने पहले नारी कल्याण, फिर उद्योग एवं रोजगार वर्ष और अब कृषक कल्याण वर्ष की शुरुआत की है। वर्ष 2026 में कृषि आधारित उद्योगों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सनोफी और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के बीच हुए अनुबंध को स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए उपयोगी बताया। अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय श्री नीरज मंडलोई ने कहा कि मध्यप्रदेश में उद्योग हितैषी नीतियां लागू हैं। पर्यटन, रक्षा क्षेत्र, अधोसंरचना, लॉजिस्टिक, नवकरणीय ऊर्जा आदि में प्रदेश अग्रणी राज्य बन रहा है। इंडो-फ्रेंच कॉन्क्लेव में प्रदेश में विभिन्न क्षेत्रों में निवेश पर चर्चा स्वागत योग्य है। प्रमुख सचिव, औद्योगिक नीति एवं निवेश संवर्धन श्री राघवेन्द्र कुमार सिंह भी राउंड टेबल मीटिंग में उपस्थित थे। प्रारंभ में इंडो फ्रेंच इन्वेस्टमेंट कॉन्क्लेव के प्रतिनिधियों का मुख्यमंत्री निवास में आत्मीय स्वागत किया गया। प्रतिनिधियों ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश भारत-फ्रांस औद्योगिक साझेदारी का उभरता केंद्र बनेगा। इन कंपनियों से जुड़े प्रतिनिधि शामिल हुए कॉन्क्लेव में इंडो-फ्रेंच चैंबर ऑफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्री और मध्यप्रदेश शासन के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कॉन्क्लेव में फ्रांस के राजदूत के अलावा आईएफसीसीआई की महानिदेशक सुश्री पायल एस कंवर और लगभग 150 प्रतिनिधियों से हिस्सा लिया, जिसमें भारतीय और फ्रांसीसी कंपनियों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, राजनियक, नीति निर्माता, शासकीय अधिकारी और उद्योग प्रतिनिधि शामिल थे। कॉन्क्लेव में पोमा रोपवेस, एआई वैनसिटी एण्ड मेडिकेप्स यूनीवर्सिटी, डासाल्ट सिस्टमस, सफलेट, सियस्ट्रा, एन्जी जैसे प्रमुख संस्थानों के प्रतिनिधि शामिल हुए। दुनिया का एडवांस फाइटर जेट राफेल भारत की सीमाओं की रक्षा कर रहा है। यूरोपियन यूनियन के साथ भारत सरकार ने मुक्त व्यापार समझौता किया है। यह हमारी मित्रता के लिए सोने पर सुहागा है। इससे वैश्विक स्तर पर नई संभावनाओं के द्वार खुलेंगे। भारत के साथ काम करते हुए सभी क्षेत्रों में व्यापार-व्यवसाय की व्यापक संभावनाएं हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में हम रक्षा, तकनीक, कौशल विकास सहित अन्य क्षेत्रों में मिलकर अच्छी नीतियों के साथ कार्य करेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद वैश्विक स्तर पर बड़े पैमाने पर बदलाव नजर आए। प्रधानमंत्री श्री मोदी के कुशल नेतृत्व में वर्ष 2014 के बाद एक नया भारत देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में भी औद्योगिक निवेश की अपार क्षमता, योग्यता और संभावनाएं हैं।

मंत्री श्री विश्वास सारंग ने किया ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आरोह-2026 का शुभारंभ

खेल मैदान से व्यक्तित्व निर्माण तक समग्र विकास हमारा लक्ष्यः मंत्री श्री विश्वास सारंग

सहकारिता, खेल और युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने मंगलवार को टीटी नगर स्टेडियम, भोपाल में आयोजित ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर आरोह-2026 का शुभारंभ किया। मंत्री श्री सारंग ने अपने उद्बोधन में कहा कि खेल मैदान से व्यक्तित्व निर्माण तक समग्र विकास हमारा लक्ष्य है। इस वर्ष शिविर को पारंपरिक प्रशिक्षण से आगे बढ़ाते हुए समग्र व्यक्तित्व विकास के दृष्टिकोण से नया स्वरूप और नया नाम दिया गया है। उन्होंने कहा कि आरोह का अर्थ है निरंतर आगे बढ़ना यानि शिखर की ओर निरंतर प्रगति करना। इसी भावना के साथ यह शिविर युवाओं को खेल कौशल के साथ जीवन कौशल भी सिखाएगा। मंत्री श्री सारंग ने कहा कि आरोह में खेल प्रशिक्षण के साथ विद्यार्थिंयों के सर्वांगीण विकास केंद्रित गतिविधियां शामिल की गई हैं। हमारा उद्देश्य एक ऐसी युवा पीढ़ी का निर्माण करना है जो शारीरिक रूप से सशक्त, मानसिक रूप से संतुलित और सामाजिक रूप से जागरूक हो। मंत्री श्री सारंग ने आगे कहा कि शिविर में विभिन्न आयामों में प्रदेश भर में विद्यार्थियों के लिए गतिविधियों आयोजित की जाएंगी। जिससे विद्यार्थियों का समग्र विकास सुनिश्चित किया जाएगा। इस वर्ष आरोह में होने वाली प्रमुख गतिविधियाँ इस वर्ष आरोह में खेल गतिविधियाँ, फिटनेस एवं स्वास्थ्य जागरूकता, व्यक्तित्व एवं नेतृत्व विकास, सांस्कृतिक एवं मनोरंजन गतिविधियाँ, सामाजिक एवं पारिवारिक जुड़ाव, नशा मुक्ति, साइबर सुरक्षा एवं सामाजिक जागरूकता सहित करियर मार्गदर्शन गतिविधियों को शामिल कर विद्यार्थियों का समग्र विकास सुनिश्चित किया जाएगा। ार्यक्रम के दौरान मलखंभ और रस्साकस्सी की शानदार प्रस्तुतियों ने उपस्थित विद्यार्थियों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम में खेल और युवा कल्याण विभाग के अपर सचिव श्री अजय श्रीवास्तव, संचालक श्री अंशुमान यादव, संयुक्त संचालक श्री बी.एस. यादव, विभागीय अधिकारी गण सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थियों और उनके अभिभावक उपस्थित रहे।

जनगणना 2027 : प्रदेश में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य तेज़ी से जारी

प्रदेश में जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का कार्य निर्धारित समय-सीमा के अनुसार निरंतर प्रगति पर है। प्रदेश में 01 मई 2026 से प्रारंभ हुआ । यह फील्ड कार्य 30 मई 2026 तक संचालित किया जाएगा। इस अभियान में नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में प्रगणकों द्वारा घर-घर जाकर प्रत्येक मकान, परिवार एवं अन्य संरचनाओं से संबंधित जानकारी डिजिटल माध्यम से संकलित की जा रही है। सचिव, गृह विभाग एवं नोडल अधिकारी जनगणना श्रीमती शिल्पा गुप्ता ने बताया कि राज्य में जनगणना कार्य के लिए 1 लाख 37 हजार से अधिक मकान सूचीकरण ब्लॉक बनाए गए हैं। इनमें प्रगणकों द्वारा व्यवस्थित रूप से जानकारी एकत्रित की जा रही है। 12 मई 2026 तक प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार प्रदेश में 1 करोड़ 84 लाख 92 हजार 860 मकानों की गणना पूर्ण की जा चुकी है। रायसेन जिले में मकान सूचीकरण एवं मकानों की गणना का फील्ड कार्य पूर्ण कर लिया गया है। प्रदेश में 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक स्व-गणना (सेल्फ एन्यूमरेशन) की प्रक्रिया संचालित की गई थी। इसमें प्रदेशवासियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। इस अवधि में कुल 7 लाख 46 हजार 158 परिवारों द्वारा स्व-गणना की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूर्ण की गई, जिससे जनगणना कार्य को गति एवं व्यापक सहयोग प्राप्त हुआ।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने स्वास्थ्य विभाग की महत्वपूर्ण योजनाओं एवं प्रशासनिक विषयों की समीक्षा की

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने मंत्रालय में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग की विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं एवं प्रशासनिक विषयों की समीक्षा की। बैठक में डॉक्टरों की पदोन्नति, मेडिकल ऑफिसर्स की काउंसलिंग प्रक्रिया, टीबी मुक्त भारत अभियान और सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन अभियान की प्रगति पर विस्तार से चर्चा कर अप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने आवश्यक निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी एवं जनहितकारी बनाने के लिए डॉक्टरों की पदोन्नति के लिए आवश्यक प्रस्ताव शीघ्र तैयार करें, जिससे चिकित्सा संस्थानों में प्रशासनिक एवं उपचारात्मक व्यवस्था और सुदृढ़ हो सके। उन्होंने मेडिकल ऑफिसर्स की काउंसलिंग प्रक्रिया को समयबद्ध तरीके से संपन्न कराने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा की नवीन स्वास्थ्य संस्थानों में शीघ्र सेवा प्रदाय प्रारंभ किया जाये। 'टीबी मुक्त भारत' अभियान की समीक्षा करते हुए उप मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प के अनुरूप मध्यप्रदेश को टीबी मुक्त बनाने हेतु जनभागीदारी, समय पर जांच एवं उपचार पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने अधिकारियों को टीबी मरीजों की नियमित मॉनिटरिंग एवं पोषण सहायता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन अभियान की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि जनजातीय क्षेत्रों में व्यापक स्क्रीनिंग, जागरूकता एवं समय पर उपचार के माध्यम से इस बीमारी के नियंत्रण हेतु विशेष प्रयास किए जाएं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेशवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। बैठक में आयुक्त लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा श्री धनराजू एस, एमडी एमपीपीएचएससीएल श्री मयंक अग्रवाल सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

'जल, जंगल और जमीन की लड़ाई लड़ रहे आदिवासियों को न्याय दो' : जीतू पटवारी

मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्री जितेंद्र (जीतू) पटवारी ने आज केन-बेतवा लिंक परियोजना अंतर्गत छतरपुर ढोढन बांध कार्यस्थल पर आंदोलनरत विस्थापित आदिवासी एवं किसान परिवारों से मुलाकात कर उनका दर्द सुना और उनके संघर्ष को न्याय की लड़ाई बताया। भारी पुलिस बंदोबस्त एवं प्रशासनिक रोक-टोक के बावजूद श्री पटवारी कांग्रेस नेताओं के साथ प्रभावित परिवारों तक पहुंचे। इस दौरान प्रशासन द्वारा बैरिकेडिंग कर उन्हें रोकने का प्रयास किया गया। वन विभाग के अधिकारियों ने यह तर्क दिया कि उनके जंगल क्षेत्र में जाने से वन्यजीव प्रभावित होंगे। इस पर श्री पटवारी ने सवाल उठाते हुए कहा कि जहां बड़े स्तर पर मशीनें, निर्माण कार्य और सैकड़ों मजदूर लगातार कार्य कर रहे हैं, वहां विपक्ष के नेताओं को पीड़ित आदिवासियों से मिलने से रोकना पूरी तरह अलोकतांत्रिक और तानाशाहीपूर्ण रवैया है। श्री पटवारी ने कहा कि विस्थापित परिवारों की यह लड़ाई केवल जमीन की नहीं, बल्कि उनके जल, जंगल, जमीन, संस्कृति और सम्मान की लड़ाई है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार प्रभावित परिवारों को न्याय देने में विफल रही है और उन्हें उचित मुआवजा एवं पुनर्वास नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि संविधान और प्राकृतिक न्याय की भावना कहती है कि जिस परिवार की जमीन और जंगल छीने जाएं, उन्हें जमीन के बदले जमीन और सम्मानजनक पुनर्वास मिलना चाहिए। केवल कागजी मुआवजा देकर आदिवासी परिवारों का भविष्य सुरक्षित नहीं किया जा सकता। श्री पटवारी ने कहा कि जब वे पीड़ित आदिवासियों से मिलने जा रहे थे, तब मुख्यमंत्री मोहन यादव जी के निर्देश पर भारी पुलिस बल तैनात कर उन्हें रोकने का प्रयास किया गया। उन्होंने प्रशासन द्वारा दिए गए इस तर्क पर भी सवाल उठाया कि उनके जाने से 'बाघ, चीते और हाथी परेशान होंगे।' उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार जनता की आवाज दबाने का प्रयास कर रही है, लेकिन कांग्रेस पार्टी आदिवासी, किसान और विस्थापित परिवारों के अधिकारों की लड़ाई लगातार लड़ती रहेगी।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने शक्तिपीठ मां कामाख्या मंदिर में किया दर्शन एवं पूजन

भोपाल, 12 मई 2026

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने असम स्थित पावन शक्तिपीठ मां कामाख्या मंदिर पहुंचकर दर्शन एवं पूजन किया। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि दिव्य धाम अद्भुत आध्यात्मिक ऊर्जा और दैवीय चेतना से परिपूर्ण है, जिसकी अनुभूति मन आत्मा को अपार शांति प्रदान करती है। उन्होंने मां कामाख्या से समस्त प्रदेशवासियों एवं देशवासियों के सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य और कल्याण की कामना की।

स्वात्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एम.एस.चौहान द्वारा ई-2/283, अरेरा कॉलोनी भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं ई-109/23,शिवाजी नगर,भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादकः एम.एस. चौहान, स्थानीय संपादक कमलेन्द्र सिंह चौहान।
फोन एवं फैक्स : 0755-4273629,।